●वर्ष : 16 ●अंक : 204 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 15 नवम्बर 2024

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में मतदान के पहले चरण के बाद हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू: अमित शाह

नूना न्यूज एजेंसी।

झारखंड। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद उनकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शाह ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है। सोरेन और झामुमो नीत गठबंधन के नेताओं पर झारखंड के समृद्ध खनिज और अन्य संसाधनों को लूटने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने राज्य के गरीबों के लिए केंद्र द्वारा भेजे गए 3.90 लाख करोड़ रुपये भी हड़प लिए हैं। शाह ने गांडेय में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हम हेमंत सोरेन को जनता के लूटे हुए पैसे को भ्रष्ट नेताओं में बांटने से रोकेंगे। जनता से लूटा गया एक-एक पैसा राज्य के खजाने में वापस किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में हेमंत सोरेन की नाक के नीचे घुसपैठ होने की वजह से आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की आबादी कम हो रही है, लेकिन कल्पना सोरेन उनसे ही वोट मांग रही हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन गांडेय से झामुमो की निवर्तमान विधायक और पार्टी उम्मीदवार हैं।

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को लूटा, पीएम मोदी का बड़ा आरोप

वोट पाने के लिए देश के साथ कर रहे खिलवाड़

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला है। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था। मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ-साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार की नीतियां आज शोषितों और वंचितों की ताकत बन रही है। जो काम 10 साल में हुए, वो काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन कांग्रेस की सरकारों की मंशा ही नहीं थी कि गरीब आगे आकर अपना हक मांगे। इसलिए आज भी कांग्रेस गरीबों के लिए कल्याण की हर योजना का जमकर विरोध करती है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उन्हें मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है। कांग्रेस चाहती है कि इन लोगों का खर्च बढ़े और ये फिर से गरीबी में चले जाएं। अगर अघाड़ी वालों को मौका मिला तो ये महाराष्ट्र में यही करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां वे गरीबों को मुफ्त राशन देने पर हमसे सवाल कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के एक मंत्री ने हिंदुओं, मुसलमानों और घुसपैठियों को भी मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा की है। वे खुलेआम रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमुख उदाहरण है कि वोट पाने के लिए वे किस तरह देश और आपके बच्चों के भविष्य के साथ खेल खेल रहे हैं।

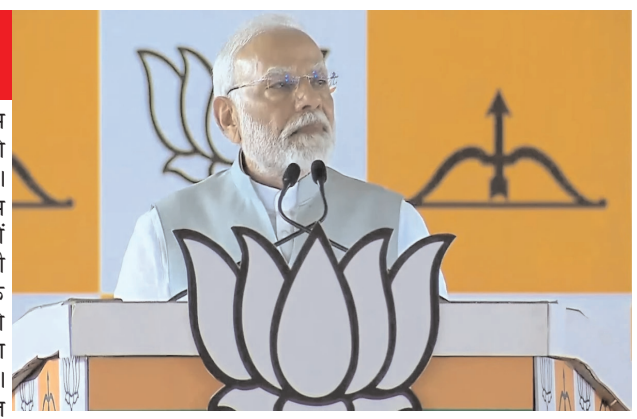

कर्नाटक में कांग्रेस नेता के घर से 70 लाख की शराब बरामद, बीजेपी ने किया बड़ा दावा

नूना न्यूज एजेंसी।

कर्नाटक। उडुपी में बड़ी शराब छापेमारी के बाद कर्नाटक बीजेपी को सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला करने के लिए ताजा गोला-बारूद मिल गया। इस छापेमारी में जिला कांग्रेस अध्यक्ष और बोला सहकारी समिति के प्रमुख निदेशक अविनाश मल्ली शेट्टी के घर पर 50 लाख रुपये से अधिक की व्हिस्की बरामद हुई। यह छापेमारी उडुपी के एक्साइज डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर रेंज द्वारा की गई थी, जिसमें व्हिस्की का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया था, शेट्टी अब कथित तौर पर फरार है। बीजेपी कर्नाटक ने एक्स पर खबर साझा की, जिसमें आरोप लगाया गया कि छापे के निष्कर्ष राज्य में बड़े "शराब घोटाले से जुड़े हो सकते हैं। एक्स पर बीजेपी के आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा गया कि उडुपी में एक कांग्रेस नेता के घर पर 70 लाख की व्हिस्की मिली! अगर यह सिर्फ एक कांग्रेस नेता है, तो बाकी लोग कितना छुपा रहे हैं? एक्साइज घोटाला 700 करोड़ से भी ज्यादा का है। बालक बुद्धि राहुल गांधी जी, कर्नाटक को महाराष्ट्र चुनाव के लिए और कितने पैसे की जरूरत है? कृपया उत्तर दें। बीजेपी ने राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं से जवाबदेही की मांग करते हुए #रॅ्शी२२ हैशटैग का इस्तेमाल किया। इस घटना ने कर्नाटक कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रशासन, विशेषकर राज्य के उत्पाद शुल्क विभाग में भ्रष्टाचार के भाजपा के आरोपों को फिर से हवा दे दी है। यह कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन के पिछले आरोपों का अनुसरण करता है, जिसमें मंत्री आरबी थिम्मापुर सहित विभाग पर बार लाइसेंस और उत्पाद शुल्क हस्तांतरण के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि पिछले साल लगभग 1,000 अवैध लाइसेंस दिए गए, कथित तौर पर प्रति लाइसेंस 70 लाख रुपये तक की रिश्वत ली गई, जिससे संभावित रूप से भ्रष्टाचार का कुल आंकड़ा लगभग 700 करोड़ रुपये हो गया।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

राजनीतिक पूंजी बचाने और बागियों को सबक सिखाना है: शरद पवार

राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के लिए इस बार का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पहले के चुनावों की तरह सामान्य नहीं है। यह चुनाव शरद पवार के लिए सिर्फ सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी नहीं है। शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके। जहां भावनात्मक कार्ड खेलना है वहां शरद पवार इमोशनल हो जा रहे हैं, जहां राजनीतिक चाल चलनी है वहां वह आक्रामक हो जा रहे हैं। उनको इस बार कितनी बड़ी राजनीतिक कामयाबी मिल पाती है यह तो परिणाम ही बताएंगे लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बारामती में लोकसभा चुनावों के दौरान शरद पवार का इमोशनल कार्ड लोकसभा चुनावों में भी चला था जब उनकी बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव में उतार दिया था। अब अजित पवार के खिलाफ उनके भतीजे रोहित पवार को उतार कर जब शरद पवार प्रचार के लिए उतरे तो उन्होंने फिर से भावनात्मक कार्ड खेला और सक्रिय राजनीति से संन्यास के संकेत दिये। एक तरफ उन्होंने बारामती में इमोशनल कार्ड खेला तो दूसरी ओर राजनीतिक कार्ड खेलते हुए अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने और अपनी फोटो का उपयोग करने से रोकने के लिए अदालत की शरण भी ली। शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे हैं।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY

MOBILE NO. 9911371802

EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

शाहरुख को धमकाने वाले वकील की मुश्किलें बढ़ीं, अदालत ने बढ़ाई रिमांड

नूना न्यूज एजेंसी।

मुंबई। अदालत ने गुरुवार को बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के एक वकील को 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस ने आरोपी वकील फैजान खान को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से गिरफ्तार कर लिया। वे छत्तीसगढ़ की एक अदालत से उसकी ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद उसे यहां ले आए। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को यहां बांद्रा की एक अदालत में पेश किया और मामले की जांच के लिए उसकी सात दिन की रिमांड मांगी। आरोपी के वकील अमित मिश्रा और सुनील मिश्रा ने कहा कि कथित घटना से पहले फैजान खान का फोन चोरी हो गया था। उन्होंने तर्क दिया कि उनके संचार उपकरण से की गई धमकी भरी कॉल उनके खिलाफ एक साजिश थी क्योंकि उन्होंने पहले शाहरुख खान के खिलाफ उनकी फिल्म 'अंजाम' में हिरण शिकार के संदर्भ में एक संवाद को लेकर मुंबई पुलिस में शिकायत की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। बांद्रा पुलिस स्टेशन को 5 नवंबर को एक फोन आया, जिसमें दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी दी और 50 लाख रुपये की मांग की। एक्टर का घर बांद्रा में स्थित है। इसके बाद, तत्कालीन अज्ञात कॉलर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 और 351 के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में कॉल करने वाले की पहचान फैजान खान के रूप में हुई और पता चला कि वह रायपुर का है। अपनी गिरफ्तारी से पहले फैजान खान ने पत्रकारों को बताया था कि उसका फोन 2 नवंबर को चोरी हो गया था और उसने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी।

दिल्ली में विधायकों की कुबार्नी केजरीवाल के लिए होगी जीत की गारंटी?

आप का क्या है सियासी प्लान?

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा के चुनाव होने है। अरविंद केजरीवाल लगातार इसकी तैयारी में लगे हैं। अरविंद केजरीवाल की नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की नजर हैट्रिक जीत पर है। 2015 और 2020 में अपने दम पर चुनाव जीतने वाली आम आदमी पार्टी के लिए इस बार की लड़ाई कहीं ना कहीं कई चुनौतियों से भरी हुई है। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी और उसके नेता लगातार फूंक-फूंक कर कदम उठाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दिनों केजरीवाल ने साफ कर दिया था कि इस बार उनकी पार्टी किस तरीके से अपने उम्मीदवारों पर फैसला लेगी। साथ ही साथ इस बात के भी संकेत दे दिए गए थे कि पार्टी इस बार के चुनाव में नए उम्मीदवारों पर भरोसा करने जा रही है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय और प्रवक्ता प्रियंका कक्कर की माने तो कहीं ना कहीं यह दावा किया जा रहा है कि सर्वे के आधार पर ही उम्मीदवारों का चयन होगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक यह सर्वे किया जाएगा। सर्वे में यह भी पूछा जाएगा कि आपके इलाके के विधायक ने यहां कितना काम किया है? आप उनके काम से कितना संतुष्ट हैं? क्या आप चाहते हैं कि वह फिर से चुनाव लड़े? इन जवानों पर अगर स्थानीय विधायक खड़ा उतरते हैं, तभी उन्हें टिकट मिलने की संभावना है। दूसरी ओर इस बार आम आदमी पार्टी में भी बाहरी उम्मीदवार देखने को मिल सकते हैं। उदाहरण के लिए पार्टी के अंदर कांग्रेस छोड़कर आए मतीन अहमद और बीजेपी से आने वाले ब्रह्म सिंह तंवर को लेकर भी चर्चा है। ऐसे में अगर इन्हें टिकट दिया जाता है तो तुम मौजूदा विधायक का टिकट कटेगा। हालांकि, आम आदमी पार्टी में ही ऐसा हो रहा है, यह नहीं है। सभी पार्टियों में इस तरह के काम किए जाते हैं। लेकिन माना जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल कहीं ना कहीं सत्ता विरोधी लहर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली शराब मामला और जेल जाने की प्रकरण के बाद से आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता में कमी आई है। आम आदमी पार्टी ने खुद को ईमानदार बताते हुए लोकसभा का चुनाव दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लड़ा था। बावजूद इसके कोई फायदा नहीं हुआ। लेकिन सवाल यह है कि दिल्ली में एंटी इन कॉन्बेंसी किसके खिलाफ है? क्या सिर्फ विधायकों के खिलाफ है या फिर जो बड़े नेता है उनके खिलाफ भी है? राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर खुद के खिलाफ जो नाराजगी थी, उसे काम करने की कोशिश की है। साथ ही साथ एक सिंपैथी की भी उन्हें उम्मीद है। बताया जा रहा है कि शराब घोटाला और उसके बाद अरविंद केजरीवाल का जेल जाना दिल्ली में बड़ा मुद्दा चुनाव के दौरान बन सकता है। सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, उनके भरोसेमंद मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी इस मामले में जमानत पर बाहर है। अगर यह मुद्दा बनता है तो कहीं ना कहीं आम आदमी पार्टी के लिए विधानसभा में स्थितिया सामान्य नहीं रह सकती है।

केस डायरी को संरक्षित करने की मांग वाली याचिका

एचसी ने पुलिस से किए सवाल

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। फरवरी 2020 में शहर के कुछ हिस्सों में हुए सांप्रदायिक दंगों से संबंधित जांच की केस डायरी को संरक्षित करने की मांग वाली एक छात्र की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस से उनका रुख पूछा। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने मामले में आरोपी देवांगना कलिता की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और एजेंसी से अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। कलिता के वकील ने आरोप लगाया कि पुलिस ने केस डायरी में "पुराने" बयान जोड़े हैं, जो कानून में प्रभावशाली है, और इसलिए, अदालत से दस्तावेज को "पुनर्निर्माण" और "संरक्षित" करने का निर्देश देने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति सिंह ने मामले को आगे विचार के लिए 25 नवंबर के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि मैं एक पक्षीय आदेश पारित नहीं कर सकता। मुझे उनका जवाब चाहिए। वकील ने दावा किया कि मामले में आरोप तय करने के चरण में, जो जाफराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर से संबंधित है, पुलिस ने केस डायरी में पुराने बयान पे किए हैं ताकि यह आरोप लगाया जा सके। उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में कलिता ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाया है, जिसने केस डायरी को अपने समक्ष बुलाने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने तब इस आधार पर अनुरोध का विरोध किया था कि इससे मामले में और देरी होगी। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि इस स्तर पर, वह उसके आरोपों की सत्यता और सत्यता पर गौर नहीं कर सकती है, जिससे "जांच एजेंसी के संस्करण पर संदेह" पैदा होता है और उसे इस मुद्दे को उचित स्तर पर उठाने के लिए कहा जाता है।

कांग्रेस के पार्षदों ने किया चुनाव का बहिष्कार, दलित मेयर की मांग की

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को घोषणा की कि वह दिल्ली में मेयर चुनाव का बहिष्कार करेगी, जिस दिन दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में मेयर और डिप्टी मेयर दोनों के लिए मतदान जारी है। पार्टी ने कहा कि वह चाहती है कि नया मेयर, एक दलित, पूरे एक साल का कार्यकाल पूरा करे, न कि छोटा कार्यकाल, जो अगले साल अप्रैल में समाप्त होगा। नाम न छापने की शर्त पर एक कांग्रेस पार्षद ने कहा कि हम सदन में उपस्थित होंगे लेकिन मतदान से दूर रहेंगे। हम चाहते हैं कि दलित मेयर को सिर्फ चार महीने के बजाय पूरा कार्यकाल मिले। कांग्रेस की पार्टी नेता (एलओपी) नाजिया धनीश ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कांग्रेस सदस्यों ने दलित विरोधी केजरीवाल सरकार के नारे लगाए, जिसके बाद आप सदस्यों ने केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लगाए। वहीं, कांग्रेस पार्षद सबीला बेगम ने पाला बदल लिया। पिछले चुनाव के बाद से, 250 सदस्यीय एमसीडी सदन में AAP का प्रतिनिधित्व गिरकर 125 सीटों पर आ गया है, जो बहुमत से थोड़ा कम है, जबकि भाजपा ने 113 सीटों के साथ बढ़त हासिल की है। आठ सीटें कांग्रेस के पास हैं और तीन सीटें निर्दलीयों के पास हैं। पिछले चुनाव में अअढ ने 134 सीटें जीतीं, जिससे टउऊपर बीजेपी का 15 साल का नियंत्रण खत्म हो गया। पिछला चुनाव, जिसमें अअढ की शेली ओबेरॉय ने मेयर पद हासिल किया था, महत्वपूर्ण नाटक से चिह्नित था, जिसमें एलजी द्वारा 10 एल्डरमेन के नामांकन पर विवाद भी शामिल था, जिसकी अअढ ने भाजपा के पक्ष में पक्षपाती होने के रूप में आलोचना की थी।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे का बड़ा आरोप

वक्फ दावों के पीछे भू-माफिया का हाथ

नूना न्यूज एजेंसी।

एनार्कुलम। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने गुरुवार को दावा किया कि एक शक्तिशाली भू-माफिया झूठे वक्फ दावों का इस्तेमाल कर किसानों और गरीबों से जमीन लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने एनार्कुलम जिले के मुनंबम का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की, जहां लगभग 600 परिवार वक्फ बोर्ड द्वारा उस जमीन पर दावा करने का विरोध कर रहे हैं जिस पर वे रह रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए, करंदलाजे ने समूह पर लैंड जिहाद करने का आरोप लगाया। मुनंबम के निवासियों के पास 2019 तक यह जमीन थी, और इसे पूर्वव्यापी रूप से उन्हें वापस दे दिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि 1954 में जब वक्फ अधिनियम पारित किया गया था, वक्फ बोर्ड के पास देश भर में केवल 10,000 एकड़ जमीन थी। आज, यह 38 लाख एकड़ के साथ, रक्षा और रेलवे के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा जमीन मालिक है। यह सारी जमीन कहां से आई? उन्होंने कहा कि पूरे देश में इसी तरह भूमि अधिग्रहण हो रहा है। पहले, भूमि रिकॉर्ड में किसान और अन्य मालिक दिखाए जाते थे, लेकिन अब वक्फ बोर्ड इन जमीनों पर दावा कर रहा है। अकेले कर्नाटक में, लगभग 29,000 एकड़ जमीन मुस्लिम नेताओं ने ले ली है। करंदलाजे, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और श्रम और रोजगार राज्य मंत्री हैं, ने प्रदर्शनकारियों से वादा किया कि वह उनकी चिंताओं को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के सामने लाएँगी। चेराई और मुनंबम के निवासियों का कहना है कि वक्फ बोर्ड गलत तरीके से उनकी जमीन और संपत्तियों पर दावा कर रहा है, जबकि उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और कर भुगतान रसीदें हैं।

मणिपुर में हिंसा पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

5 जिले अशांत क्षेत्र घोषित, एएफएसपीए लगाया

नूना न्यूज एजेंसी।

मणिपुर। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मणिपुर में छह पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को "अशांत क्षेत्र" घोषित किया, इन क्षेत्रों को भी सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम या एएफएसपीए, 1958 के तहत लाया गया। पहले 19 पुलिस स्टेशनों को अफस्पा से बाहर रखा गया था। यह कदम गृह मंत्रालय द्वारा नागरिकों पर ताजा हमलों और बलों और उग्रवादियों के बीच नए सिरे से हुई गोलीबारी की पृष्ठभूमि के खिलाफ मणिपुर में 20 अतिरिक्त अर्धसैनिक कंपनियों या लगभग 2,500 कर्मियों को भेजने के एक दिन बाद आया है, जो उस राज्य में बढ़ते तनाव को रेखांकित करता है जहां 230 से अधिक लोग मारे गए हैं। लगभग 18 महीने पहले शुरू हुई झड़पों में उनकी मौत हो गई। गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना में गुरुवार को कहा गया कि मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद पहले से बाहर किए गए 19 पुलिस स्टेशनों में से छह को एएफएसपीए के तहत कवर किया जा रहा है। एमएचए के अतिरिक्त सचिव पीयूष गोयल द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि यह देखा गया है कि मणिपुर में चल रही जातीय हिंसा के बीच स्थिति अस्थिर बनी हुई है और बिष्णुपुर-चुराचांदपुर, इम्फाल पूर्व, कांगपोकपी-इम्फाल पश्चिम और जिरीबाम जिलों के सीमांत इलाकों में हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है, जिसमें विद्रोहियों की सक्रिय भागीदारी के कई उदाहरण हैं। आदेश में कहा गया है कि इम्फाल पश्चिम जिले के सेकमाई और लमशांग के पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में AFSPA को फिर से लागू किया जा रहा है; इंफाल पूर्व में लमलाई; जिरीबाम जिले में जिरीबाम; कांगपोकपी जिले में लीमाखोंग; और बिष्णुपुर जिले में मोइरांग। यह आदेश 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगा।

CMYK

मशहूर लेखक केविन मिसेल ने दिल्ली के इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में अपनी नई किताब 'कर्ण 2: द सन ऑफ सूर्या' को किया लॉन्च

नई दिल्ली। पौराणिक गाथाओं में काल्पनिकता का पुट मिलाकर सशक्त तरीके से कहानियों को पेश करने के लिए जाने जाने वाले लोकप्रिय लेखक केविन मिसेल ने अपने ताजा उपन्यास 'कर्ण 2: द सन ऑफ सूर्या' का अनावरण किया. इस किताब को सिमोन ऐंड सुस्टर द्वारा प्रकाशित किया गया है जिसके विमोचन का कार्यक्रम दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में किया गया. इस खास मौके पर कई दिग्गज हस्तियों के अलावा बड़ी तादाद में फैन्स और लेखक बनने के इच्छुक लोग भी मौजूद थे. उनके अलावा जाने-माने कारोबारी और एक लेखक के तौर पर मशहूर विनीत बाजपेयी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे. 'कर्ण 2: सन ऑफ सूर्या' कर्ण की शाश्वत उलझनों की गहराई से पड़ताल करती है जिसके तहत उनकी पहचान, नैतिकता और महाभारत में पौराणिक रूप से इंगित की गई नियति को रेखांकित किया गया है. केविन मिसेल के कहानी बयां करने का अंदाज कुछ ऐसा है कि जिसमें युद्ध का मैदान, किरदार की चारित्रिक विशेषताओं और राजनीतिक रूप से अहम पड़ावों को समानांतर तरीके से प्रस्तुत किया गया है. साहित्यिक लेखन व जीवंत गद्य के माध्यम से केविन मिसेल पौराणिक गाथाओं को सिनेमाई तत्वों के साथ ऐसी मानवीय भावनाओं में लपेटकर पेश करने में माहिर हैं जो सीधे लोगों के दिलों को छूती है. केविन मिसेल इस किताब के बारे में कहते हैं, "मेरी यह किताब युद्ध की भव्यता नहीं, बल्कि कर्ण के भीतर चलने वाले आंतरिक संघर्षों पर आधारित है. अगर उनके किरदार से आप जुड़ाव महसूस नहीं कर पाएं तो बढ़िया कहानी होने के बावजूद वह कहानी अपनी शक्ति खो देगी." केविन मिसेल ने 'धर्मयोद्धा कल्कि : अवतार ऑफ विष्णु' के जरिए बतौर लेखक अपना डेब्यू किया था. तब से

ही वे पौराणिक गाथाओं को इतिहास और काल्पनिकता के साथ पेश करते रहे हैं जिसके माध्यम से साहित्यिक जगत में उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली है. उन्होंने अब तक एक से बढ़कर एक 16 किताबें लिखीं हैं. पौराणिक गाथाओं के प्रति अपने नजरिए को लेकर बात करते हुए केविन मिसेल कहते हैं, "कर्ण जैसे व्यक्तित्व पर लिखना अतीत को जीवंत करने से कम नहीं है. इन कालातीत कहानियों को आधुनिक युग के पाठकों के समक्ष पेश करना बेहद जरूरी है ताकि वे अपने अतीत से अच्छी तरह से परिचित हो सकें." लेखन के अलावा केविन मिसेल की पहचान एक दूरद्रष्टा के रूप में भी होती है जिन्होंने तकरीबन 5 साल पहले HubHawks नामक एक मीडिया संस्थान की स्थापना की थी. यह संस्थान अपने विशेष संभाग नू वॉइस प्रेस (पारंपरिक रूप से पुस्तकों के प्रकाशन), बुक हाउस इंडिया (वेस्टलैंड के साथ साझेदारी में किताबों का वितरण), द राइट एजेंसी (साहित्य प्रतिनिधित्व) और फोस्टररीड्स (साहित्यिक आयोजन) के माध्यम से लेखकों की हरसंभव मदद करता है. उल्लेखनीय है कि केविन मिसेल के उत्कृष्ट नेतृत्व में HubHawks नामक संस्थान इच्छुक लेखक/लेखिकाओं के लिए के लिए उम्मीद की एक नई किरण के रूप में सामने आया है जो पारंपरिक प्रकाशन और नये तरीके से प्रमोशन के बीच पुल का काम कर रहा है. वे कहते हैं, "HubHawks महज एक कंपनी नहीं है बल्कि ये संस्थान कहानियों में समाहित बदलाव की शक्ति के प्रति पूरी तरह से समर्पित है." टैलेंट्रेक के संस्थापक और 'हड़प्पा : द कर्स ऑफ द ब्लड रिवर' और 'काशी: सीक्रेट ऑफ द ब्लैक टेम्पल' के लेखक विनीत बाजपेयी ने बतौर मुख्य अतिथि पौराणिक किस्म की काल्पनिक कहानियों में केविन मिसेल के योगदान की खूब प्रशंसा की. उन्होंने केविन मिसेल के उपन्यासों के सांस्कृतिक व साहित्यिक महत्व के संदर्भ में कहा, "केविन महज प्राचीन कहानियों को दोबारा से नहीं कहते बल्कि वे उन कहानियों को फिर से जीवंत कर देते हैं जिससे पाठक उन कहानियों को एक नये नजरिए से देखने के लिए बाध्य हो जाते हैं." केविन मिसेल की 'कर्ण 2: द 'सन ऑफ सूर्या' कर्ण के जज्बे, जुनून और उनके साहस के साथ उनके कालातीत संघर्ष को रेखांकित करने वाला समृद्ध उपन्यास है. पौराणिक किस्म की काल्पनिक कहानियों में रूचि रखने वाले फैन्स और महाभारत को पसंद करने वाले भक्तों के लिए 'कर्ण 2 : द सन ऑफ सूर्या' एक बेहद जरूरी किस्म की किताब है. ये किताब उन्हें एक उम्दा लेखक के तौर पर स्थापित करती है. केविन मिसेल इस बारे में कहते हैं, "इस किताब में कर्ण की यात्रा को बड़ी ही गहराई के साथ पेश किया गया है जिसमें कर्ण को एक हीरो के साथ साथ एक सामान्य पुरुष के रूप में भी पेश किया गया है।

डोमा परिसंघ द्वारा "सामाजिक न्याय सम्मेलन" का आयोजन

वक्ताओं ने सरकार की नियत पर उठाए सवाल, वक़्फ अमेंडमेट बिल का किया विरोध

नई दिल्ली/मेरठ। दलित ओ बी सी, अल्पसंख्यक एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ(डोमा परिसंघ) द्वारा "सामाजिक न्याय सम्मेलन" का आयोजन चैबर ऑफ कॉमर्स (रोडवेज बस अड्डा के सामने किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व सांसद डॉ उदित राज जी और कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय राष्ट्रीय महासचिव श्री शाहिद अली (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट) तथा संचालन पार्षद फजल करीम ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ उदित राज पूर्व सांसद ने कहा कि लोकतंत्र बचाने का काम सिर्फ नेताओं का नहीं है बल्कि समाज के लोगों का भी है। वक़्फ और आईन (संविधान) बचाने के लिए एकता का मुजाहरा करते हुए संयुक्त रूप से लड़ाई लड़नी होगी। कोई पार्टी आपकी आवाज नहीं उठाएगी क्योंकि उन्हें हारने का डर है इस लिए होशियारी से काम करने की जरूरत है उन्होंने जातीय जनगणना की मांग करते हुए कहा इस मांग को लेकर हमें मिलकर कोशिश करनी होगी उन्होंने मुसलमानों की सामाजिक/तालीमी पसमांदगी(पिछड़ेपन) पर भी दुःख का इजहार करते हुए कहा कि अपने हालात को हमें खुद बदलना होगा और यह एकता के द्वारा ही मुमकिन है उदित राज ने आगे कहा कि एक तरफा कार्यवाही से बचने के लिए भागेदारी जरूरी है और भागेदारी के लिए संघर्ष जरूरी है। रिजर्वेशन की वजह से दलितों की हालत अच्छी हुई है और भागेदारी ना होने की वजह से मुसलमानों की हालत आज भी दलितों से खराब है जब मंदिरों की कमेटी में मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकता तो वक़्फ में गैर मुस्लिम सदस्य कैसे हो सकता है !, वक़्फ अमेंडमेट बिल किसी भी सूरत में कबूल नहीं है सामाजिक न्याय की लड़ाई ही इन्हें खत्म करेगी और हमारी लड़ाई नॉन पॉलिटिकल होगी। डोमा के राष्ट्रीय महासचिव शाहिद अली एडवोकेट ने कहा कि यह सोचते हैं कि पार्लियामेंट में ताकत के बल पर वक़्फ अमेंडमेट बिल लागू करेंगे लेकिन हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि मुसलमान वक़्फ पर सरकारी दखल अंदाजी को बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और सरकार को यह भी याद रखने की आवश्यकता है के सरकार गिरने में देर नहीं लगती। बाबा साहब के बनाए हुए संविधान में बराबरी के अधिकार को सरकार समाप्त करने में लगी हुई है उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि वक़्फ अमेंडमेट बिल पर कौम सोई हुई है, वक़्फ अमेंडमेट के बाद आपके पास मस्जिदें, दरगाहें , कब्रिस्तान इत्यादि नहीं बचेगे ' उन्होंने कहा कि हम वक़्फ बोर्ड की कमाई से हजारों हॉस्पिटल और स्कूल, कॉलेज बना सकते हैं और देश का बजट फाइनेंस कर सकते हैं। वक़्फ अमेंडमेट बिल ला कर यह सरकार लोगों को दोबारा गुलाम बनाना चाहती है और अगर आवाज

नहीं उठी और नहीं जागे तो हमारे पूर्वजों की कुर्बानिया बर्बाद हो जाएंगी। इस लिए घरो से निकलकर अपने हक के लिए आवाज उठाओ। अगर आवाज नहीं उठी तो वर्तमान केंद्र सरकार / प्रदेश सरकार वक़्फ और रिजर्वेशन को खत्म करके रहेंगी 'डॉ आफताब अली जी ने कहा कि वक़्फ में संशोधन एक खतरनाक कदम है इस से पहले भी वक़्फ पर हमले हुए हैं। यह वक़्फ बिल वक़्फ संपत्ति पर कब्जा करने की एक कोशिश है। कार्यक्रम के संयोजक शफीक अंसारी कहा कि जाति जन गणा सिर्फ मुसलमानों की ही जरूरत नही बल्कि सभी शोषित वंचित और दलित एवं पिछडो की जरूरत है इसके लिए मिलकर लड़ाई लड़ने की जरूरत है 'पार्षद फजल करीम ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीति,नियत जो कि अल्पसंख्यक, पिछड़ों के अधिकारों की दमनकारी नीति है इसके विरोध में डोमा परिसंघ द्वारा 1 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली के आयोजन में उपस्थित लोगों से अपनी एकता का प्रदर्शन कर ज्यादा से ज्यादा तादाद मे रैली में पहुंचने की अपील की। बदर आलम ने कहा मुसलमानो की तरक्की कौम की संयुक्त लड़ाई में ही मुमकिन है इस लिए सभी के साथ मिलकर लड़ाई लड़नी होगी। जबकि मुसलमान हमेशा सिर्फ. अपने मसाइल मैं ही उलझता रहा है। इस अवसर पर मंजीत सिंह कोछड़, सुमेर सिंह धार, इमरान अंसारी, सुलतान अहमद पत्रकार,शकील मलिक, महबूब राणा, प्रवीन जैन, सरदार गुरविंद्र सिंह, अरुण कुमार, संजय कुमार, शहजाद कुरैशी, साजिद सलमानी (एडवोकेट),भाई गफ्फार, पार्षद कीर्ति घोपला, पार्षद रिजवान अंसारी, पूर्व पार्षद अफजाल सैफी, हबीब अंसारी, विनोद जाटव अत्यादि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा के निवास स्थान पर गुरूनानक जयंती समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। 14 नवम्बर 2024 सिख धर्म गुरू गुरू नानक देव जी का 556 वां जन्म दिवस प्रकाष पर्व का महोत्सव 15 नवम्बर 2024 को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमेन सरदार इकबाल सिंह लालपुरा के निवास स्थान पर हर्ष व उल्लास से मनाया जाएगा। समारोह में सभी धर्मों के धार्मिक व सामाजिक लोग उपस्थित होंगे। गुरूनानक देव जी ने अपने पूरे जीवन में मानवता, प्रेम व भाईचारे के लिए कार्य किया यही कारण है उनके पास सभी धर्मों के लोग आते थे और उन्होंने कई धार्मिक स्थलों का भ्रमण भी किया जिसमें उड़ीसा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर, सऊदी अरब के मक्का षहर में खाना काबा उल्लेखनीय है। उनका कहना था सभी धर्म मानवता और भाईचारगी का संदेष देते हैं मनुष्य को अपने जीवन में पुण्य के कार्य करने चाहिए जिससे मानवता का भला हो। समारोह में मुख्य रूप से गुरूनानक दरबार आकर्षक का केन्द्र होगा। इस अवसर पर गुरूबानी और कीर्तन का विषेष प्रबंध होगा। आयोग के चेयरमेन सरदार इकबाल सिंह लालपुरा भी गुरू नानक की षिक्षा से प्रेरित होकर सभी धर्मों के लोगों को साथ लेकर मानवता के लिए कार्य कर रहे हैं जिसमें सर्वधर्म संवाद उनका एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें सभी धर्मों के धार्मिक, सामाजिक और बुद्धिजीवी लोग एक मंच पर एक साथ बैठ कर एक दूसरे

के विचारों का आदान प्रदान करते हैं। उनका मानना है बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों समुदाय जब तक एक दूसरे के निकट नहीं आएंगे तब तक कैसे एक दूसरे के प्रति जो आषंकाएं हैं वो कैसे दूर होंगी। सभी धर्मों के व्यक्ति मिलकर देष के विकास के लिए कार्य करें जिससे देष विकास की राह पर अग्रसर हो और देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत के रचयिता बनें।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में राजस्थान पवेलियन का उद्घाटन।

राजस्थान के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने किया पवेलियन का उद्घाटन

नई दिल्ली। 14 नबंबर 2024 नई दिल्ली के प्रगति मैदान में बृहस्पतिवार को शुरू हुए चौदह दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार की मेला थीम "विकसित भारत @ 2047" के अनुरूप राजस्थान पवेलियन को नए रूप -रंग में तैयार किया गया है, जिसका उद्घाटन राजस्थान के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने किया। उद्घाटन के अवसर पर श्री सुधांश पंत ने कहा कि इस बार की मेला थीम के अनुसार राजस्थान पवेलियन में राजस्थान की प्रगति, नवाचार और सांस्कृतिक विरासत को बखूबी दिखाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी महीने में राजस्थान में होने वाली "राइजिंग राजस्थान समिट -2024' में निवेशकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी पवेलियन में विशेष व्यवस्थाएं की गई है जहां देश-विदेश से आए व्यापारियों और दर्शकों के लिए राजस्थान में निवेश के अवसरों को समझने

और राजस्थान की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा। राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) के प्रबंध निदेशक श्री नागिक्य गौहिन ने बताया कि इस बार व्यापार मेले के राजस्थान पवैलियन में रीको, बीआईपी, उद्योग विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन विभाग के साथ-साथ रूढा और राजस्थली द्वारा अपने-अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया है। श्री गौहिन ने दर्शकों से अपील करते हुए कहा कि राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध उत्पाद एक ही जगह पर दिल्लीवासियों और देश विदेश से आए दर्शकों के लिए उपलब्ध कराए गए इसलिए अधिक से अधिक राजस्थान पवैलियन का भ्रमण पर इस अवसर का फायदा लेना चाहिए। राजस्थान पवेलियन के निदेशक श्री दिनेश सेठी ने बताया कि पवैलियन में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से भाग लेने आए उद्यमियों और हुनरमंद कलाकारों के लगभग 23 स्टालों का प्रदर्शन किया गया है जिसमें राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प उत्पादों में विशेष रूप से लाख की चूड़ियां, महिलाओं के श्रृंगार के विविध आइटम्स, टेक्सटाइल के समान, रजाइयौं के साथ ही राजस्थानी खान पान स्टॉल भी लगाए गए हैं। पवेलियन में राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा विशेष रूप से पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और कार्यकलापों का विशेष प्रदर्शन किया गया है जिससे दर्शकों का उत्साहवर्धन हो रहा है। 18 नवंबर को होगा राजस्थान दिवस भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 18 नवंबर को राजस्थान दिवस मनाया जाएगा जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा जहां विश्व प्रसिद्ध राजस्थानी कलाकार अपने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

सीएसयू के आर्थिक अनुदान से विकसित भारत को लेकर त्रैदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय महिला संगोष्ठी का सत्यवती महाविद्यालय में आयोजन

दिल्ली, अजय कुमार मिश्रा, समन्वयक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ, सीएसयू ,

दिल्ली। सूचनीय है कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के आर्थिक सहयोग से तथा इसके कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी के संरक्षण में तथा संस्कृत भारती आदि संस्थानों के सहयोग से तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन 15-17 नवबंर 2024 को करने जा रहा है जिसका आयोजन स्थल सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय सुनिश्चित किया गया है । इस सम्मेलन की विशेषता के विषय में कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा है कि देश के निर्माण में स्त्री समाज का भी बहुमूल्य योगदान है । यही कारण है कि विकसित भारत के महत्त्वाकांक्षी उद्देश्य को और संबलित करने में देश विदेश की विदुषियों को "संस्कृतसंस्कृति संवाहिका - नारीविकसितभारतनिर्मात्रीज्ञ- नारी" नामक विषय पर अपने अपने विचार रखने के लिए आमन्त्रित किया गया है । सीएसयू के योजना विभाग के निदेशक (केन्द्रीय) प्रो मधुकेश्वर भट जिस प्रकल्प के अन्तर्गत इस तरह की संगोष्ठी को लेकर भारत सरकार के मार्गदर्शन के आलोक में क्रियान्वयन किया जाता है , ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस तरह के विदुषी सम्मेलन से उन्हें अपने विचार रखने का और अधिक मुखर अवसर मिलेगा । कुलसचिव प्रो आर. जी . मुरली कृष्ण ने भी प्रसन्नता जताया है । प्रो मदन मोहन झा ,डीन, ने बताया है कि डा सन्ध्या पुरेचा, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी , दिल्ली ,मुख्य अतिथि ,पद्मश्री गीता चन्द्रन , अध्यक्ष ,नाट्यवृक्ष संस्था , दिल्ली तथा प्रो लक्ष्मी शर्मा, पूर्व कुलपति ,श्रीकल्लाजीवि वैदिक विश्वविद्यालय , जयपुर ,विशिष्ट अतिथि (दोनों) तथा सम्मानित अतिथि डा चारु कालरा , सारस्वत अतिथि ,प्रान्त संचालिका,राष्ट्र सेविका समिति ने माननीय कुलपति जी की उपस्थिति में इसके उद्घाटन सत्र को गौरवान्वित करने की स्वीकृति दी है । साथ ही साथ इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के निर्देशिका प्रो कमला भारद्वाज और सत्यवती महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो अंजू सेठ (अध्यक्ष)भी इस सत्र में उपस्थित रहेंगी । इस आयोजन मंडल के अध्यक्ष प्रो यशवीर सिंह,उत्तर क्षेत्र अध्यक्ष, संस्कृत भारती और समन्वयक के रुप में प्रो अजय झा, सत्यवती महाविद्यालय ,डा सुनीता तथा डा अमृता कौर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (दोनों) , दिल्ली हैं। इस आयोजन के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा । साथ ही साथ उसके अतिरिक्त स्मारिका का भी प्रकाशन होगा जिसके समन्वयक प्रो गणेश ति. पण्डित हैं।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन का विस्तार विश्व स्तरीय सुविधा के रूप में किया जाएगा: गोयल

डॉ. समरेन्द्र पाठक/वरिष्ठ पत्रकार

नयी दिल्ली, 14 नवंबर 2024 (एजेंसी)। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि सरकार भारत व्यापार संवर्धन संगठन को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। यह एक ही स्थान पर पूरे उद्योग और मूल्य श्रृंखला को प्रतिबिंबित करेगी ताकि विश्व, भारत को सर्वश्रेष्ठ एमआईसीई गंतव्य के रूप में देख सके। श्री गोयल ने यहां भारत मंडपम में 27 नवंबर तक चलने वाले 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इन सुविधाओं का विस्तार करने के लिए बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ, वाराणसी और नोएडा जैसी जगहों पर काम कर रही है। उन्होंने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के थीम विकसित भारत 2047 पर प्रसन्नता व्यक्त की। व्यापार मेलों में डिजिटल लेनदेन के बढ़ते उपयोग पर जोर देते हुए श्री गोयल ने कहा कि केंद्र तेजी से लेनदेन को सक्षम बनाने के लिए मेलों के आसपास कियोस्क लगाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले और इस

तरह के आयोजनों में बाजार की तलाश करने वाले उद्योगों के साथ राजस्व साझा करने के मॉडल पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने लोकल टू ग्लोबल की ओर जाने और उपभोक्ताओं की पसंद के० लिए भारत में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शकों को लाने वाले खरीदारों और विक्रेताओं के समरूपता की सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में प्रदर्शनी दुनिया के लिए वन-स्टॉप शॉप होनी चाहिए। श्री गोयल ने आशा व्यक्त की कि भारत विदेशी खरीदारों को आमंत्रित करने के लिए विश्व भर में मेले आयोजित करेगा। उन्होंने भविष्य के मेलों, स्टार्टअप, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हरित प्रौद्योगिकियों और साइबर प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रदर्शित करने वाले समर्पित मंडपों में एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में नवीनता की भी उम्मीद जताई। एल.एस.

खरगे बोले- महाराष्ट्र में भाजपा ने पैसों के दम पर बनाई सरकार, फिर उसी पैसे को जनता से वसूला

महाराष्ट्र की जनता ने ठान लिया है कि इस बार महाविकास आघाड़ी की सरकार बनाएंगे

नई दिल्ली। 14 नवंबर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा ने पैसों के दम पर महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाई। फिर उसी पैसे को जनता से वसूल किया। इस सरकार ने गरीबों के लिए काम करने का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह से लेकर भाजपा का हर नेता सिर्फ झूठ बोलता है। इसलिए, महाराष्ट्र की जनता ने ठान लिया है, इस बार यहां महाविकास आघाड़ी की सरकार बनाएंगे। महाराष्ट्र के इगतपुरी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा नेता कांग्रेस सरकार की गारंटियों को झूठ बताते हैं, लेकिन कांग्रेस सभी जगह अपने वादे निभा रही है। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि विदेश में जमा काला धन लेकर आएंगे। सबके खाते में 15 लाख रुपये डालेंगे। हर साल दो करोड़ नौकरियां देंगे। किसानों की आय दोगुनी होगी। लेकिन उनके सभी वादे झूठे निकले। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार से उसके दस वर्षों के कार्यकाल का हिसाब मांगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बताए कि नोटबंदी से किसे फायदा हुआ। नोटबंदी में गरीबों का नुकसान हुआ, जबकि अमीर लोगों ने पैसे बनाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी करते समय 100 दिन का समय मांगा था। कहा था कि 100 दिन में

भ्रष्टाचार खत्म और आतंकवाद खत्म कर दूंगा, काला धन निकालूँगा। लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि डॉ मनमोहन सिंह जी की सरकार ने किसानों का 72 हजार करोड़ का कर्ज माफ किया था, जबकि मोदी सरकार ने अपने पूंजीपति मित्रों का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार विपक्षी नेताओं को डराने के लिए सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग का दुरुपयोग करती है। भारी संख्या में मौजूद लोगों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा की विभाजनकारी राजनीति की भी जमकर निंदा की। उन्होंने कहा कि बांटने और काटने वाले लोग भाजपा के ही हैं। कांग्रेस ने देश को एक रखने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि जवाहरलाल नेहरू जी अहमदनगर के किले में 963 दिन जेल में रहे और उन्होंने यहां डिस्कवरी ऑफ इंडिया किताब लिखी, जो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुई। नेहरू जी और बाबासाहेब अंबेडकर जी ने देश को संविधान दिया, जिससे लोगों को वोटिंग का अधिकार मिला। आज भाजपा-आरएसएस संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जनता से संविधान को बचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति को मानने वाले जो लोग कहते थे कि महिलाओं को अधिकार नहीं मिलने चाहिए, वो आज महिलाओं के सामने हाथ जोड़ रहे हैं। क्योंकि संविधान ने उन्हें भी मतदान का समान अधिकार दिया है। कांग्रेस के पक्ष में नारेबाजी के बीच खरगे ने महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में महाविकास आघाड़ी की गारंटियों का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने मराठी भाषा में भी जनता से कई बातें की। वहीं पुणे में पत्रकार वार्ता के दौरान खरगे ने घोषणा करते हुए बताया कि महाविकास आघाड़ी की सरकार बनने पर महाराष्ट्र में सोयाबीन की खरीद किसानों को बोनस देकर सात हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए गंभीर आप सरकार, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विशेषज्ञों के साथ बैठक कर ग्रेप-2 के दिशा- निर्देशों का सख्ती से पालन के दिए निर्देश

नई दिल्ली। 14 नवंबर 2024 दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार बेहद गंभीर है। इस संबंध में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली में पहली बार प्रदूषण का स्तर 400 के पार चला गया है, 14 अक्टूबर के बाद से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई.) पूअर और वेरी पूअर की कैटेगरी में बना हुआ था अचानक दो दिनों में प्रदूषण का स्तर वेरी पूअर से सिवियर कैटेगरी में चला गया है। इसी को देखते हुए आज ग्रीन वॉर रूम में पर्यावरण वैज्ञानिको के साथ बैठक की। बैठक के बाद गोपाल राय ने सभी सम्बंधित विभागों को ग्रेप-2 से संबंधित दिशा-निर्देश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि वैज्ञानिको ने पिछले दो दिनों की जो रिपोर्ट रखी है उसके अनुसार पिछले दो दिनों में प्रदूषण के स्तर में बढ़ोत्तरी का मुख्य दो कारण हैं। पहला पहाड़ों पर बर्फबारी होने के कारण दिल्ली के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और जिसकी वजह से पूरे उत्तर भारत में सुबह और शाम को धुंध की स्थिति बनी हुई है। दूसरा हवा की जो गति है उसमें कमी आई है। इन दो वजहों से प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। गोपाल राय ने कहा कि हवा की जो गति है उसमें सुधार होने का अनुमान है जिस से प्रदूषण के स्तर में कमी होने का अनुमान है। कल सी.ए.क्यू.एम. ने मीटिंग की थी और उसमें उन्होंने निर्णय लिया की अभी दिल्ली में ग्रेप-3 नहीं लागू किया जाएगा। अभी दिल्ली में ग्रेप-2 लागू है और उसके तहत जो-2 प्रतिबंद्ध लागू है उसको सख्ती से लागू की जाएगी और आज इस सन्दर्भ में सभी विभागों को पुनः निर्देश दिया गया हैं। ग्रेप-2 से संबंधित जो भी निर्णय और निर्देश जारी किए गए थे चाहें वह एंटी डस्ट के लिए हो, चाहे इंडस्ट्रीयल प्रदूषण के संबंध में हो चाहे वाहन प्रदूषण के संबंध में हो, उसका सख्ती से पालन करवाया जाए। गोपाल राय ने कहा कि सरकार सभी परिस्थितियों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। हमारी कोशिश है कि ग्रेप-2 के जो प्रतिंबंध है उनको कड़ाई से पालन करवाकर दिल्ली के प्रदूषण को रोकने में सफल हों ,जिससे कि दिल्ली में ग्रेप-3 लागू करने की नौबत ही न आए। यदि आने वाले दिनों में मौसम की प्रतिकूलता के कारण जो प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होती है और दिल्ली का प्रदूषण सिवियर कैटेगरी में जाता है तो हमारी सरकार दिल्ली के लोगों की सांसों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने के लिए तैयार है। गोपाल राय ने कहा कि दो तीन तथ्यों को दिल्ली की जनता और देश की जनता के सामने रखना चाहता हूँ। सीएसई ने 12 अक्टूबर से 3 नवम्बर के बीच आईआईटीएम के डाटा का एनालसिस जारी किया है। इस एनालिसिस से यह पता चलता है कि वास्तव में दिल्ली में जो प्रदूषण है उसमें इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का योगदान 30.34 प्रतिशत, एनसीआर के जिलों का 34.97 प्रतिशत तथा एनसीआर से सटे जिलों का 27.94 प्रतिशत का योगदान है। दिल्ली सरकार दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए समर एक्शन प्लान और विंटर एक्शन प्लान बनाकर कर पुरजोर प्रयास कर रही है लेकिन अगर दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करना है तो केन्द्र

सरकार को एनसीआर के राज्यों तथा एनसीआर से सटे राज्यों के साथ मिलकर एक संयुक्त एक्शन प्लान बनाना होगा और उसको कड़ाई के साथ लागू करना होगा और सबको अपने हिस्से के प्रदूषण को नियंत्रित करना पड़ेगा। गोपाल राय ने बताया कि जब 2022 में पंजाब में 14अक्टूबर से 13 नवम्बर के बीच पराली जलाने की 45172 घटना हुई थी। हमारी पंजाब की सरकार ने इस पर काम करना शुरू किया तो 2023 में 14 अक्टूबर से 13 नवम्बर के बीच पराली जलाने की घटना 26127 पर आ गई और 2024 में 14अक्टूबर से 13 नवम्बर के बीच पराली जलाने की केवल 7492 घटनाएं हुई है। अगर हम प्रतिशित में इस कमी को देखे तो यह 80 प्रतिशत होता है। यानी की हमारी सरकार के प्रयासों से यह पराली जलाने की घटना में पिछले 3 साल में 80 प्रतिशत की कमी आई है। यह डेटा केन्द्र सरकार का डेटा है। इसी डेटा के आधार पर हम देखें तो दिल्ली के सटे राज्य उ.प्र. में 2022 में पराली जलाने की 1271 घटना हुई थी जो बढ़कर 2024 में 2167 हो गई । उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग जो हर साल प्रदूषण की मार को झेल रहे हैं उसके लिए केवल दिल्ली के लोग जिम्मेदार नहीं है। एनसीआर के राज्यों और उससे सटे राज्यों की भी उतनी ही जिम्मेदारी है। अतः यदि दिल्ली में प्रदूषण के स्तर को कम करना है तो चारो सरकारों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान तथा केन्द्र सरकार को मिल कर कार्य करना होगा,तभी हम प्रदूषण को कंट्रोल कर सकते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा पर मुख्य स्नान आज 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओ के पहुंचने का अनुमान

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/ हसनपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर क्षेत्र के गंगा धाम तिगरी गंगा घाट पर 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है वही हसनपुर सहित विभिन्न घाटों पर भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर गंगा स्नान करते हैं, बताते चलें कि गंगा धाम तिगरी में गत वर्षो की भांति इस वर्ष और भी अधिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए व्यवस्था की गई है प्रशासन का अनुमान है कि डिग्री गंगा धाम तिगरी घाट पर 25 लाख से अधिक श्रद्धालु शुक्रवार की सुबह यानी आज स्नान करेंगे वहीं पुलिस ने भी चप्पपे चप्पपे पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर रखी है, उधर हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव सतेड़ा के सामने मां पुष्पावती गंगा घाट पर तथा रहरा थाना क्षेत्र के पोरारा गंगा घाट पर भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर गंगा स्नान करते हैं, हसनपुर नगर पालिका द्वारा मा पुष्पावती गंगा घाट पर पार्किंग व्यवस्था के साथ-साथ अन्य व्यवस्था भी की गई है उधर कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आठ दरोगा 40 महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी तथा पी ए सी के जवान सुरक्षा व्यवस्था में लगे हुए हैं, वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गंगा क्षेत्र में प्रवेश के लिए अलग तथा निकासी के लिए अलग रास्ता बनाया गया है बता दें की एसडीएम सुनीता कुमारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत, प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी मेला क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निगरानी कर रहे हैं।

राष्ट्र सेवी संगठन ने ग्रेजुएट क्लब के साथ किया मां पुष्पावती घाट पर यज्ञ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को तहसील क्षेत्र के मां पुष्पावती घाट पर गंगा मेले पर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओ ने ग्रेजुएट क्लब के साथ मिलकर गायत्री यज्ञ का आयोजन किया। गंगा आरती के साथ स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर उपस्थित संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि निजी स्थानों के साथ ही धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखने की भी हम सबकी जिम्मेदारी है। भगवान राम के वनवास के समय भी माता शबरी ने रास्तों को साफ किया जाता था। भगवान राम को उनके इस कार्य से खुश होकर उन्हें सम्मानित करने के लिए उनके घर जाना पड़ा था। यज्ञ की समाप्ति पर देश की सुरक्षा में शहीद अमर सैनिकों की आत्मा की शान्ति के लिए दीपदान किया गया। गंगा मैया के तट पर स्वच्छता का संकल्प लिया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से मास्टर हरीराज सिंह, अशोक डीलर, इंजीनियर केपी सिंह, मास्टर देव राणा, मास्टर चरण सिंह, करण सिंह प्रधान, सतेंद्र पंचायत सहायक, प्रीतम सिंह रोजगार सेवक, अजय राणा, हरिओम प्रधान , महेश चंद शर्मा आचार्य ,अशोक कुमार शर्मा ,लल्लू सिंह , महावीर शर्मा , धर्मपाल सिंह , आकाश राणा आदि मौजूद रहे ।

शिवसेना के जिला अध्यक्ष ने परिजनों किया गंगा स्नान

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गंगा धाम तिगरी। गुरुवार को गंगा धाम तिगरी में शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने अपने परिजनों व मित्रों सहित गंगा स्नान किया तथा खिचड़ी आदि का वितरण किया, शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष की वह अपने परिजनों सहित गंगा स्नान करने आए हैं उन्होंने बताया कि गंगा स्नान के साथ-साथ सामाजिक सेवा भी की जाती है, वही कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर उन्होंने खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया, बता दें कि शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव लगभग 7 दिन तक परिजनों सहित गंगा धाम तिगरी में कैंप लगाकर रहते हैं और लगातार स्नान दान करने का कार्य भी उनके द्वारा किया जाता रहता है वहीं शुक्रवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर वह खिचड़ी का वितरण करेंगे।

महाकुंभ में पहली बार होने जा रहा टॉप 100 हस्तशिल्पियों का संगम, देश की सबसे कीमती कलाकृतियां होंगी प्रस्तुत

प्रयागराज, 14 नवम्बर। महाकुंभ में पहली बार देशभर के टॉप 100 हस्तशिल्पी अपनी कला का प्रदर्शन करने जा रहे हैं। इसके तहत दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में डबल इंजन की सरकार देश की सबसे कीमती कलाकृतियों को प्रस्तुत करने जा रही है। इस प्रदर्शनी का ऑनलाइन लाइव टेलीकास्ट किए जाने की भी तैयारी है। संगम तीरे लगने वाली इस प्रदर्शनी में बनारसी साड़ी से लेकर प्रमुख दक्षिण भारतीय कलाकृतियों को शोकेस किया जाएगा। इसमें प्रयागराज के मूंज से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र होंगे।

विभिन्न राज्यों की कला का अद्भुत संगम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के तहत इस बार महाकुंभ को अद्भुत और अलौकिक बनाने की तैयारी चल रही है। सहायक निदेशक हस्तशिल्प सेवा केंद्र प्रयागराज तान्या बनर्जी ने बताया कि महाकुंभ में देश दुनिया के 45 करोड़ लोगों के सामने भारत के 100 प्रमुख शिल्पियों का अद्भुत प्रदर्शन किए जाने की तैयारी है। प्रदर्शनी में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा। यहां पर देश के विभिन्न राज्यों की कला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा इतना बड़ा आयोजन

महाकुंभ की दिव्यता, भव्यता और नव्यता को देखते हुए पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर यहां संगम किनारे इतना बड़ा आयोजन किया जा रहा है। देश दुनिया के 45 करोड़ से ज्यादा लोगों के महाकुंभ में पहुंचने का अनुमान है। जिसके तहत

देश दुनिया के लोग विभिन्न राज्यों विशेषकर पूरब से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक की शिल्प कला से परिचित हो सकें, इसके लिए आयोजन को व्यापक रूप दिया जा रहा है।

ई कॉमर्स कंपनियों को टक्कर दे रहे हस्तशिल्प उत्पाद

महाकुंभ के दौरान लाइव प्रदर्शनी में देशभर के शिल्पकारों की बनाई हुई कलाकृतियों की खरीद और बिक्री भी की जाएगी। इसके लिए बाकायदा

अपनी वेबसाइट डेवलप की गई है। यह इंडिया हैंडमेड वेबसाइट दुनिया की बड़ी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों को टक्कर दे रही है। भारत ही नहीं देश-विदेश के लोग भी इस वेबसाइट पर जाकर हस्त शिल्प के सामान की खरीद और बिक्री दोनों कर सकते हैं।

बनारस का सॉफ्ट स्टोन और जम्मू कश्मीर की पशमीना शॉल बटोरेगी सुर्खियां

महाकुंभ के दौरान हस्तशिल्प की प्रदर्शनी में बनारस के सॉफ्ट स्टोन से लेकर जम्मू कश्मीर की पशमीना शाल तक उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, प्रयागराज के मूंज क्राफ्ट, बांदा के सजर पत्थर, महोबा के गौरा पत्थर, झांसी के सॉफ्ट खिलौने, मध्य प्रदेश की चंदेरी साड़ियां और काशी की बनारसी साड़ियां भी लोगों को आकर्षित करेंगी।

एक ही थाली में खाकर लूट-खसोट करते हैं कांग्रेस, कम्युनिस्ट, झामुमो व राजद वाले: योगी

झारखंड के चुनावी रण में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

धनबाद/बोकारो, 14 नवंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को झारखंड में तीसरे दिन चुनावी रण में पहुंचे। उन्होंने 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन जयंती और झारखंड के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। सत्तारुढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ ही कांग्रेस, राजद व वामपंथी उनके निशाने पर रहे। बोले कि पहले चरण के मतदान का रुझान बता रहा कि झारखंड को लूटने वाले झामुमो, कांग्रेस व राजद सत्ता से बेदखल होने जा रहे हैं और भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस, कम्युनिस्ट, झामुमो व राजद वाले यहां दिखावा करते हैं और रांची में एक ही थाली में खाकर लूट-खसोट करते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को निरसा विधानसभा से प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता, सिंदरी से तारा देवी, बोकारो से बिरंची नारायण, चंदनक्यारी से अमर कुमार बाउरी व बेरमो से रविंद्र कुमार पांडेय, गोमिया से लंबोदर महतो के लिए

जनसभा कर जिताने की अपील की।

झामुमो की गोद में बैठकर झारखंड को गुमराह कर रहे कांग्रेस व राजद

सीएम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने 15 नवंबर 2000 को झारखंड का निर्माण किया था। उनका सपना था कि झारखंड विकास करेगा तो भारत भी विकास करेगा, लेकिन झारखंड को और भी बदतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जब झारखंड का निर्माण हो रहा था, तब कांग्रेस व राजद विरोध कर रही थी। झामुमो की गोद में बैठकर दोनों पार्टियां झारखंड को गुमराह कर रही हैं। एक तरफ यह लूट रहे हैं तो दूसरी तरफ लुटेरों के सरदार वामपंथियों को सिर पर उठाकर झारखंड को नक्सलवाद का गढ़ बनाने की तरफ उतारू हैं। इन्हें पनपने नहीं देना है।

रामशरन एवं सुशीला आनंद हाई स्कूल में बाल दिवस पर हुई खेल प्रतियोगिताएं

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को बाल दिवस के अवसर पर नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामशरन एवं सुशीला आनंद हाई स्कूल में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, प्रतियोगिताओं का शुभारंभ पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने किया, इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रवि शंकर शर्मा ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस पर मनाया जाने वाले बाल दिवस कार्यक्रम के संबंध में बच्चों को विस्तार से बताया, उन्होंने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने तथा वह बच्चों से अधिक प्रेम करते थे तथा 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जन्म तिथि है और उनका जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा, वहीं प्रतियोगिता में विजयई बच्चों को प्रबंधक एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार भी दिया गया।

व्यापार मेले में 120 से ज्यादा स्टॉल बता रहे यूपी के विकास की कहानी

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 'पार्टनर स्टेट' है उत्तर प्रदेश

›› भारत मंडपम में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

नई दिल्ली, 14 नवंबर। भारत मंडपम में बुधवार से शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश मंडप योगी राज में सर्वांगीण विकास की कहानी बयां कर रहा है। 'पार्टनर स्टेट' के रूप में भाग ले रहे यूपी मंडप की थीम विकसित प्रदेश 2047 है, जो "विकसित भारत-2047" की अवधारणा को साकार करेगा। उत्तर प्रदेश के मंडप में 120 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें

उत्तर प्रदेश के उत्कृष्ट स्थानीय एवं पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा हैं। इनमें से बहुत से उत्पादों को भौगोलिक संकेत (GI tag) प्राप्त है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी मेले में स्थान दिया गया है, वहीं निर्यातकों को भी प्राथमिकता दी गई है। यूपी मंडप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत (Vocal for local) की अवधारणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित यूपी 2047 के विजन को साकार कर रहा है। उत्तर प्रदेश मंडप में सूचना एवं पर्यटन विभाग के अतिरिक्त राज्य के स्वामित्व वाली इकाइयां (वढरक्ळअ, नोएडा अथॉरिटी, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी एवं यमुना एक्सप्रेस-वे अथॉरिटी) भी प्रतिभाग कर रही हैं। उत्तर प्रदेश मंडप के माध्यम से फूड प्रोसिंग, टेक्सटाइल, आईटी, लेदर, हस्तशिल्प मेटल, ओडीओपी निर्यातक इकाइयों के अलावा कई अन्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है।

ग्राहकों को लुभा रहे ये उत्पाद

उत्तर प्रदेश पवेलियन में लगे विभिन्न जिलों के उत्पाद ग्राहकों को खूब लुभा रहे हैं, इनमें कन्नौज के इत्र से लेकर वाराणसी की सिल्क साड़ियां, लखनऊ की चिकनकारी, भदोही का कालीन, झांसी/बांदा की शजर स्टोर ज्वैलरी, बागपत के होम डेकोर, गौतमबुद्धनगर के वस्त्र उत्पाद, अलीगढ़ / मुरादाबाद के मेटल आर्ट वेयर, आगरा का पेठा, सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल, हाथरस की हींग, संभल के हैण्डीक्राफ्ट्स उत्पाद शामिल हैं।

कारोबारी ले रहे ओडीओपी गैलरी में दिलचस्पी

उत्तर प्रदेश मंडप में एक वृहद ओडीओपी गैलरी का भी प्रदर्शन किया गया है, जिसमें जनपदों के ओडीओपी उत्पादों का आकर्षक एवं विहंगम प्रर्दशन किया गया है, जिनको देखने के लिए पहले ही दिन बड़ी संख्या में कारोबारी उमड़े।

शिव की काशी में धरती पर उतरेंगे देवता, असंख्य दीप प्रज्ज्वलित कर मनाई जाएगी देव दीपावली

देव दीपावली पर माँ गंगा में उतरती आस्था की सीढ़ियों पर सनातन की ज्योति से पूरा विश्व होगा दीप्तिमान

वाराणसी,14 नवंबर। देव दीपावली पर गंगा में उतरती आस्था की सीढ़ियों पर सनातन की ज्योति से पूरा विश्व दीप्तिमान होगा। काशी की धरती पर शुक्रवार को देवता उतरेंगे। असंख्य दीप प्रज्ज्वलित कर देवताओं के साथ देव दीपावली मनाएंगे। योगी सरकार ने देव दीपावली की पूरी तैयारी कर ली है। कार्तिक पूर्णिमा पर शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नमो घाट का उद्घाटन करेंगे। साथ ही देव दीपावली की शुरूआत करेंगे। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी भी रहेंगे। इनके लिए खास फायर क्राकर शो नमो घाट पर होगा। जनसहभागिता से काशी के घाटों, कुंडों, तालाबों और देवालयों में 17 लाख से अधिक दीप दीप्तिमान होंगे। पुलिस और जल पुलिस ने भी सुरक्षा के पूरे पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से वाराणसी को नो फ्लाई जोन में रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री काशी विश्वनाथ और बाबा काल भैरव का दर्शन भी करेंगे।

जनसहभागिता से प्रज्ज्वलित होंगे 17 लाख दीप

काशी के उत्तरवाहिनी जाह्नवी के तट पर शुक्रवार को भगवान देव दीपावली मनाने स्वर्ग से काशी के घाटों पर उतरेंगे। योगी सरकार देव दीपावली को भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों को रोशन कर रही है। जन सहभागिता से इन दीपों की संख्या 17 लाख के पार हो जाएगी। 3 लाख से अधिक दीप गाय के गोबर से बने हैं। ऐसे में काशी के अर्द्धचन्द्राकार घाटों पर जब दीपों की माला पहने हुए माँ गंगा का श्रृंगार और आरती होती है। तो ये छठा और अद्भुत दिखाई देती है। इस अलौकिक, अप्रतिम और दिव्य दृश्य को देखने के लिए देशी और विदेशी पर्यटक बड़े तादाद में काशी पहुंच रहे हैं। देव दीपावली पर 10 लाख से अधिक पर्यटकों के आने की संभावना है। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद काशी में पर्यटकों की रिकॉर्ड आमद हुई है । देव दीपावली पर होटल ,गेस्ट हाउस ,नाव ,बजरा, बोट व क्रूज पहले से बुक हो गए हैं। योगी सरकार काशी के चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो आयोजित करा रही है। घाटों के किनारे सदियों से खड़ी धर्म, अध्यात्म, संस्कृत और काशी के पौराणिक इतिहास की गवाह इमारतों पर सनातन की शाश्वत कहानी जीवंत होती दिखेगी। काशी का धार्मिक इतिहास दिखाया जाएगा। पर्यटक गंगा पार रेत पर शिव के भजनों के साथ ग्रीन क्रैकर्स लेजर शो भी आनंद ले सकेंगे।

सजावट और सुरक्षा के किये गए है पुख़्ता इंतजाम

विश्व विख्यात देव दीपावली को देखने विश्वभर से पर्यटक आते हैं। यहां रंगोली, फसाड लाइट व झालरों से सजावट किया गया है। पर्यटकों की सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने वाराणसी को नो फ्लाई जोन घोषित करते हुए 12 नवंबर की रात से 16 नवंबर की रात तक ड्रोन,पतंग, गुब्बारे, रिमोट संचालित माइक्रो लाइट्स एयरक्राफ्ट ,पैराग्लाइडर आदि बिना अनुमति के उड़ाना प्रतिबंधित है। घाटों पर वाच टावर से निगरानी रखी जाएगी। पर्यटकों की बड़ी तादाद देखते हुए चिकित्सकों की टीम को अलर्ट रखा गया है। गंगा में फ्लोटिंग डिवाइडर से लेन बनाया गया है। नाविकों को निर्धारित पर्यटकों को बैठाने व लाइफ जैकेट पहनने की हिदायत दी गई है। प्रशासन ने नाविकों को हिदायत दी है सभी पर्यटकों को लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है। नाव पर व्यक्तियों की क्षमता लिखी होनी चाहिए। नाविकों को पर्यटकों से अच्छा व्यवहार करने की नसीहत भी दी गई है। एनडीआरएफ की टीम बचाव उपकरणों, मेडिकल टीम वाटर एम्बुलेंस के साथ विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं के निःशुल्क उपचार हेतु मौजूद रहेगी। फायर ब्रिगेड के जवान भी मुस्तैद रहेंगे। जल पुलिस के जवान गंगा में तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओ व पर्यटकों की भारी भीड़ के अनुमान से ट्रैफिक डाइवर्जन व पार्किन सुनिश्चित कर दिया गया है।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा और सजावट

बाबा विश्वनाथ की विशेष पूजा की जाएगी। बाबा के दरबार को फूलों से सजाया जा रहा है। यहां लाइटिंग भी की जा रही है। इसके अलावा पूरे धाम में दीप जलाए जाएंगे। ललिता घाट गंगा द्वार को भी दीपों के माध्यम से आकर्षण तरीके से सजाया जा रहा है ।

दशाश्वमेध घाट की महाआरती देगी राष्ट्रीयता का सन्देश ,बलिदानियों को मिलेगा भगीरथ शौर्य सम्मान

दशाश्वमेध घाट पर नियमित होने वाली माँ गंगा की आरती को देव दीपावली पर भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। धर्म के साथ राष्ट्रीयता और सामाजिकता का सन्देश देने वाली ये महाआरती कारगिल युद्ध के शहीदों को समर्पित रहती है। इस वर्ष शौर्य की रजत जयंती के रूप में मनाई जा रही है। भारत के अमर वीर योद्धाओं को भगीरथ शौर्य सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा है। 21 अर्चक व 42 देव कन्याएं ऋद्धि-सिद्धि के रूप में दशाश्वमेध घाट पर महाआरती करेंगी। शंख नाद और डमरुओं की निनाद से घाट गूंजेंगे। गंगा के निर्मलीकरण और स्वच्छता का संदेश-संकल्प भी दिलाया जाएगा। गंगा सेवा निधि द्वारा वेबसाइट http://gangase-vanidhi.in का शुभारंभ किया जाएगा। काशी के अन्य घाट पर भी माँ गंगा की भव्य आरती का नजारा देखने को मिलेगा।

महाकुंभ में यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज बार्क की मदद से करेगा 3 अस्थाई एसटीपी का निर्माण

महाकुंभ मेला क्षेत्र का सारा वेस्ट और गंदा पानी इन अस्थाई एसटीपी से होगा ट्रीट

प्रयागराज, 14 नवंबर। सीएम योगी के स्वच्छ एवं स्वस्थ महाकुंभ के ध्येय को सफल बनाने की दिशा में यूपी जल निगम नगरीय प्रयागराज महाकुंभ के लिए 3 अस्थाई एसटीपी का निर्माण कर रहा है। ये एसटीपी जल निगम राष्ट्रीय संस्था बार्क की मदद से लगभग 3.60 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे हैं। ये तीनों एसटीपी महाकुंभ क्षेत्र के सारे वेस्ट और नाले के पानी का निस्तारण करेंगे। ये एसटीपी बार्क की एचजीएसबीआर टेक्नालॉजी पर आधारित हैं जो स्वच्छ महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करेगा।

एचजीएसबीआर टेक्नालॉजी आधारित एसटीपी

यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज पूरे महाकुंभ में पानी की सप्लाई के साथ-साथ अस्थाई शौचालयों की सफाई व गंदे नालों के पानी के ट्रीटमेंट का कार्य भी कर रहा है। यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर आशुतोष यादव ने बताया की जल निगम, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, बार्क की मदद से महाकुंभ में 3 अस्थाई एसटीपी बना रहा है। ये तीनों एसटीपी महाकुंभ के दौरान करोड़ो की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के वेस्ट और गंदे नालों के पानी को ट्रीट करेंगे। ये अस्थाई एसटीपी बार्क की एचजीएसबीआर टेक्नालॉजी से काम करेंगे। एचजीएसबीआर, बार्क की हाइब्रिड ग्रैन्युलर एसबीआर ट्रीटमेंट तकनीक है जो विशेषतौर पर घरेलू और आद्योगिक वेस्ट वॉटर को ट्रीट करती है।

क्या है एचजीएसबीआर टेक्नोलॉजी ?

एचजीएसबीआर टेक्नालॉजी आधारित एसटीपी आसानी से वेस्ट वॉटर को ट्रीट कर उसके बीओडी, सीओडी लेवल को 30 से कम के स्तर पर ले आते हैं। जिसके बाद ये ट्रीटेड पानी सिंचाई, घुलाई आदि के अन्य कार्यों में या नदी में डाला जा सकता है। साथ ही ये तकनीक वेस्ट वॉटर का जैविक उपचार भी करती है जिससे गंदे पानी में पनपने वाले वायरस और बैक्टीरिया समाप्त हो जाते हैं। महाकुंभ 2025 में पहली बार इस उन्नत तकनीक के एसटीपी प्लांट

सेक्टर 9, 13 और 15 में लगाए जाएंगे अस्थाई एसटीपी

यूपी जल निगम नगरीय और राष्ट्रीय संस्था बार्क मिलकर इस प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। जल निगम के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर आशुतोष यादव ने बताया कि लगभग 3.60 करोड़ रुपए की लागत से इन 3 अस्थाई एसटीपी प्लांट का निर्माण हो रहा है। ये एसटीपी महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 9, 13 और 15 में लगाये जायेंगे, जो कि पूरे मेला क्षेत्र के शौचालयों और नालों के पानी को 500 केएलडी की क्षमता से ट्रीट करेगा। जिस कारण महाकुंभ के गंदे पानी के ट्रीटमेंट का अतिरिक्त दबाव शहर के अन्य एसटीपी पर नहीं पड़ेगा। मेला समाप्त होने के बाद ये एसटीपी प्रयागराज के स्थाई नालों से सम्बद्ध कर दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि ये तीनों एसटीपी 15 दिसंबर तक मेला क्षेत्र में स्थापित हो कर, कार्य करना प्रारंभ कर देंगे। सीएम योगी के स्वच्छ और स्वस्थ महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करने में ये एसटीपी महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कॉलेज विद्यार्थियों सही करियर का चुनाव करने के महत्व को रेखांकित करें। कुलजिन्दर मोहन सिंह बाठ

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। दयाल सिंह कॉलेज, करनाल में करियर मार्गदर्शन, प्लेसमेंट सेल और इंटर्नशिप सेल ने 14 नवंबर 2024 को एलुमनाई एसोसिएशन के सहयोग से एक प्रभावशाली करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुरूप करियर पथ चुनने में मार्गदर्शन प्रदान करना और वर्तमान नौकरी बाजार की जरूरतों को समझाने के साथ-साथ उन्हें अपने भविष्य के लिए बेहतर तैयार करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज की माननीय प्राचार्या डॉ. आशिमा गक्खड़ ने किया। उन्होंने मुख्य अतिथियों झ्र एचडीएफसी लाइफ के सीनियर एक्जीक्यूटिव सेल्स मैनेजर श्री अशुतोष पांडे और ट्रायफेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन के निदेशक श्री अतुल गुप्ता का स्वागत करते हुए, छात्रों के लिए इस

कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इंटर्नशिप सेल के प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की थीम प्रस्तुत की। दयाल सिंह कॉलेज की एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष व कॉलेज मैनेजिंग बॉडी के मानद सदस्य श्री कुलजिन्दर मोहन सिंह बाठ ने अपने संबोधन में कॉलेज विद्यार्थियों से सही करियर का चुनाव करने के महत्व को रेखांकित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया । उन्होंने छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक करने और उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की खोज करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। एलुमनाई एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री राजेश ग्रोवर और कोषाध्यक्ष श्री रवि गुप्ता ने करियर काउंसलिंग की अहमियत बताते हुए छात्रों को उनके लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सही दिशा में प्रयास करने का संदेश दिया। श्री अशुतोष पांडे ने अपने विस्तृत अनुभव को साझा करते हुए वित्त और बीमा क्षेत्र में तेजी से

गुरु नानक खालसा कॉलेज में आज से कॉलेज के 55 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत रक्तदान कैंप और विद्यालयों की शब्द गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

करनाल, सुखविंदर सोही

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज, करनाल में आज कॉलेज के 55 वें स्थापना दिवस उपलक्ष में कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। इस विषय में जानकारी देते हुए कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती शशि मदान ने बताया कि कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कॉलेज में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहला कार्यक्रम एन.सी.सी. यूनिट, एन.एस.एस. यूनिट, और एच.डी.एफ.सी. बैंक के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान कैंप का आयोजन था, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल के.के. वेंकटरमन, कमांडिंग ऑफिसर, सेवन हरियाणा बटालियन एन.सी.सी. मौजूद रहे। कर्नल वेंकटरमन ने कहा कि रक्तदान महादान होता है और हर व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर से उनकी बात हुई है, जहां रक्त की कमी है, इसलिए संस्थाओं को इस पवित्र कार्य के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कैंप के आयोजन के लिए गुरु नानक खालसा कॉलेज को बधाई दी। कैंप में लगभग 31 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। कैंप में कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज से ब्लड सेंटर के इंचार्ज डॉ. सचिन गर्ग, डॉ. मानसी, श्री विनोद कुमार जी, तथा एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ.

देवी भूषण, एनएसएस ऑफिसर प्रो. अजय कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. कृष्ण राम, डॉ. दीपक, प्रो. मनीष, सुबेदार विक्रम सिंह, तथा अन्य स्टाफ उपस्थित थे। आगे जानकारी देते हुए प्राचार्या श्रीमती शशि मदान ने कहा कि दूसरा समानांतर कार्यक्रम स्कूल की शब्द गायन प्रतियोगिता रही, जिसमें विभिन्न विद्यालयों की 12 टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों ने बहुत सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिसमें संत निक्का पब्लिक स्कूल, जरीफा फॉर्म, करनाल की।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में करनाल में कार्यक्रमों का आयोजन

करनाल, बिट्टू संधू

करनाल। बाल दिवस के अवसर पर असंध ब्लॉक में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर रॉकेट लर्निंग टीम ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों और अभिभावकों के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (एउउए) के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना था। ब्लॉक के अलावा गांव कार्यक्रम में रउद्ध राहुल सर और बाल विकास परियोजना अधिकारी (उउद्धड) संतोष की विशेष उपस्थिति रही । साथ में सुपरवाइजर रितु एवं रॉकेट लर्निंग टीम से प्रतिभा और रितेश कुमारी उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम में बच्चों और अभिभावकों के बीच सामूहिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों और उनके

अभिभावकों ने मिलकर रंग भरने की गतिविधि में हिस्सा लिया, जिसने आपसी संबंधों को मजबूत किया। बच्चों के लिए मेंढक दौड़ जैसी मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की गई, जिससे उनके बीच उत्साह का माहौल बना। अभिभावकों के लिए डिजिटल साक्षरता पर एक विशेष सत्र भी आयोजित किया गया, ताकि वे डिजिटल शिक्षा के महत्व को समझ सकें और अपने बच्चों की शिक्षा में इसे शामिल कर सकें। कार्यक्रम में अभिभावकों और बच्चों के लाल रंग के कपड़े पहने को बोला गए जिससे बच्चे समानता के बारे में पता चला। कार्यक्रम के अंत में सभी ने "शिक्षा शपथ" ली, जिसमें बच्चों की शिक्षा और विकास के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया गया। रॉकेट लर्निंग टीम भी इस आयोजन का हिस्सा बनी और सभी ब्लॉकों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग मिला। इस तरह, असंध के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल दिवस का यह उत्सव बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और मनोरंजन अनुभव बन गया।

बिना पर्ची और बिना खर्ची के दम पर हरियाणा में बनी भाजपा की सरकार: विधायक जगमोहन आनंद

विधायक जगमोहन आनंद ने हरियाणा विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में दिया वक्तव्य

करनाल, सुखविंदर सोही

करनाल। के विधायक जगमोहन आनंद ने हरियाणा विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि हरियाणा में बिना पर्चा और बिना खर्ची के भाजपा की सरकार बनी है। सरकार द्वारा युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई। हरियाणा सरकार द्वारा बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दिए जाने की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सार्वजनिक मंचों पर की है। इससे हरियाणा प्रदेशवासियों का सर गर्व से ऊंचा हो जाता है। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि भाजपा सरकार ने सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए प्रदेश के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। भाजपा की सरकार ने प्रदेश में भय और भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल मंत्र को याद रखने की बात कही गई, जिसमें कहा गया

कि हमारा हर फैसला इस बात पर निर्भर होना चाहिए, कि उस फैसले का प्रभाव समाज के सबसे गरीब व्यक्ति पर क्या पड़ेगा। मुझे खुशी है कि हमारी भाजपा सरकार अंत्योदय की मूल भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता की आवाज उठाते रहेंगे।

पर्यावण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगर निगम गम्भीर, निगरानी के लिए टीमों का गठन कर फील्ड में उतारा, पानी का निरंतर छिडकाव करवाने के दिए निर्देश।

निर्माण स्थलों व सामग्री को कवर करवाना सुनिश्चित करें अधिकारी, न मानने पर करें चालान- डॉ. वैशाली शर्मा, निगमायुक्त।

करनाल बिट्टू संधू

करनाल। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगर निगम गम्भीर है। इसे लेकर नगर निगम कार्यालय में निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में निगम अधिकारियों के अतिरिक्त, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व डीटीपी कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण की गाईडलाईन की सख्ताई से पालना करवाई जानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा

को निर्देश दिए कि शहर में सभी प्रकार के भवन जिनका क्षेत्र 500 वर्ग मीटर से अधिक है, को प्रदूषण विभाग के डस्ट कंट्रोल पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं और इस कार्य को शीघ्र अति शीघ्र किया जाए। उन्होंने मुख्य नगर योजानकार धर्मपाल सिंह को निर्देश दिए कि शहर में जितने भी निर्माण स्थल हैं, उनमें प्रयुक्त होने वाली सामग्री जैसे बजरी, रेत, मिटट्टी, कोर्स सैंड व डस्ट इत्यादि को ढकवाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त निमार्णाधीन भवन को भी ढका जाए। अगर कोई ऐसा नहीं करता तो सम्बंधित भवन मालिक का चालान किया जाए। इसके लिए कनिष्ठद्द अभियंता, सफाई निरीक्षक व भवन निरीक्षक की अलग-अलग टीमें बना दी गई हैं, जो गुरूवार से ही फील्ड में उतर गई हैं। कूड़ा-कर्कट में न लगे आग- उन्होंने मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़े-कर्कट में आग नहीं लगनी चाहिए। इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कहीं भी कूड़ा जमा न होने दें।

सोच समझ कर रास्ता चुने, किसी दबाव से नहीं, अपनी रुचि के मुताबिक करियर चुने: एडीसी यश जालुका

करनाल, बिट्टू संधू

करनाल। एडीसी यश जालुका ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है। जिसका उद्देश्य देश में स्टार्टअप और नये विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। जिससे देश का आर्थिक विकास हो एवं बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हों। सरकार द्वारा स्टार्टअप शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती हैं। एडीसी यश जालुका गुरुवार को डॉ. मंगल सेन सभागार में स्कूल के बच्चों के लिए आयोजित मोटिवेशनल टॉक के दौरान बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बच्चों द्वारा पूछे प्रश्नों के जवाब दिए। इस टॉक में मोटिवेशनल स्पीकर्स के द्वारा भी स्टार्टअप व नई तकनीक से जुड़ी जानकारी भी साझा की। एडीसी ने कहा कि सोच समझ कर रास्ता चुने, किसी दबाव से नहीं बल्कि अपनी रुचि के मुताबिक करियर चुने। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र

मोदी जी का विजन है कि नौकरी करने वाले नहीं नौकरी देने वाले बने। इस विजन के तहत सरकार द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए तरुण ,किशोर तथा शिशु आदि विभिन्न परियोजना चलाई जा रही हैं। जिनसे अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए लोन की सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर स्कूल व कॉलेजों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जायेगे। इस मौके पर असिस्टेंट कमिश्नर (अंडर ट्रेनी) योगेश सैनी ने कहा कि एडीसी यश जालुका के मार्गदर्शन में सरकारी स्कूलों में ये मुहिम चलाई जा रही है। इन कार्यक्रमों में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मार्गदर्शन किया जाता है। इस मुहिम का उद्देश्य सरकारी स्कूल के बच्चों तक सरकार द्वारा चलाई स्कीम की जानकारी पहुंचाना हैं । उन्होंने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी व उनके उज्ज्व।

नेशनल खिलाड़ी आर्यन राणा का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत

करनाल। सुखविंदर सोही

एसके मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ी आर्यन राणा व आरती ने 8 नवंबर से 12 नवंबर 2024 तक मध्य प्रदेश विदिशा में आयोजित 68ड्ढ नेशनल स्कूल गेम ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए अंडर 17 में आरती ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया और अंडर 14 में आर्यन राणा ने ब्रोंज मेडल हासिल कर पूरे करनाल व हरियाणा का नाम रोशन किया आर्यन राणा व आरती सगे भाई बहन हैं गांव बागपति के रहने वाले हैं आर्यन गवर्नमेंट स्कूल गांव क्लास में 8ड्ढ क्लास में पढ़ता है नेशनल में पहुंचकर आर्यन राणा ने ब्रोंज मेडल हासिल किया इसी खुशी में एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंटरनेशनल मास्टर सतीश कुमार राणा ने खिलाड़ी आर्यन राणा व आरती का करनाल पहुंचने पर फूलमालाओं व ढोल नगाड़ों के साथ

जोरदार स्वागत किया गया

आर्यन की उपलब्धियां

1. आर्य राणा ने 5 साल की एज में इंडिया बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा चुका है
2. नेशनल बुक का रिकॉर्ड में नाम दर्ज कर चुके हैं
3. स्टेट ताइक्वांडो में चार बार गोल्ड मेडल जीत चुका है
4. नेशनल ताइक्वांडो में एक गोल्ड मेडल दो ब्रोंज मेडल जीत चुका है
5. आर्यन राणा ने ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट भी प्राप्त की हुई है
6. नेशनल यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं
7. नेशनल डायमंड अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं
8. शाइनिंग डायमंड एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित हो चुके सभी

"प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में मनाया गया गुरुपर्व "

प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी सुखविंदर सोही

गुरुपर्व और 555 वां प्रकाश पर्व धूम-धाम से मनाया गया। जिसमें स्कूल के बच्चों के साथ-साथ स्टाफ सदस्यों ने भी बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह प्रार्थना सभा में बच्चों ने गुरु नानक देव जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। गुरुनानक देव जी की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के नाम से जाना जाता है। नन्हें -मुन्हे बच्चों ने गुरु नानक देव जी के भजन तथा शब्द गाए एवं कर्म की महिमा पर प्रकाश डाला। नन्हें -नन्हें बच्चों ने नाटक के माध्यम से उनके भजन तथा शिक्षाओं पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर चेयरपर्सन हन्नी चौधरी एवं निर्देशिका पिथी चौधरी ने बच्चों को गुरुनानक देव जी की जयंती पर बधाई दी और उनकी शिक्षाएं कर्म करो, नाम जपो, वंड़ छक्कों पर चलने की प्रेरणा दी । प्रधानाचार्य विकास उत्तेरजा ने भी बच्चों को सच्चाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरणा दी।

सदर बाजार क्षेत्र में दवाईया चोरी करने की वारदात को अंजाम देने वाला गिरफतार, नकदी व ई-रिक्शा बरामद

करनाल, सुखविंदर सोही

सदर बाजार पुलिस चौंकी की टीम द्वारा मुकदमा नं0- 820 दिनांक 29.10.2024 धारा 305, 331(4) भा.न्या.सं. थाना शहर करनाल में प्राप्त सुचना के आधार पर दिनांक 13.11.2024 को मुख्य सिपाही प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में सदर बाजार क्षेत्र में छापामारी करके आरोपी..... पप्पू कामती पुत्र महेन्द्र कामती वासी गांव रसोश जिला समस्तीपूर, बिहार को गिरफतार करने में सफलता हासिल की। चौंकी प्रभारी स.उप निरीक्षक कृष्णचंद ने बताया कि उक्त मामले में पूछताछ पर आरोपी ने अपने तीन साथीयों के साथ मिलकर दवाईयां चोरी करने की वारदात को अंजाम देने बारे खुलासा किया। जिसमें उनकी टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से 3000/- रुपए व वारदात के समय प्रयोग की गई ई-रिक्शा बरामद की गई। उन्होंने कहा कि फरार चल रहे आरोपी के तीनों साथीयों को भी बहुत जल्द गिरफतार कर सलाखों के पिछे पहुंचाया जाएगा। आरोपी को आज माननीय अदालत के सामने पेश किया गया, जहां से उसे न्यायीक हिरासत में भेज दिया गया।

गुर पूरब पर हरियाणा में बैंको में छूटी कैंसिल करने की निंदा की

करनाल सुखविंदर सोही

हरियाणा सिख एकता दल ने गुरु नानक देव जी के गुर पूरब पर हरियाणा में बैंको में छूटी कैंसिल करने की निंदा की है व इसे गुरु नानक देव जी के प्रति श्रद्धा रखने वाले सिख व अन्य श्रद्धालुओं को गुरपुरब मनाने से वंचित रखने वाला कदम बताया है। हरियाणा सिख एकता दल की और से प्रीतपाल सिंह पन्नू, जगदीप सिंह औलख, गुरतेज सिंह खालसा, अमृत सिंह बुग्गा, अमरजीत सिंह मोहडी, सुखविंदर सिंह झब्बर, पंजाब सिंह ने आज एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि हर वर्ष गुरु नानक देव जी के गुरपुरब पर पंजाब के साथ साथ हरियाणा के बैंकों में भी छुट्टी होती थी लेकिन इस वर्ष पंजाब में तो कल बैंकों छुट्टी है लेकिन हरियाणा में सभी बैंक खुले रहेंगे। पंजाब के बाद सबसे अधिक सिख आबादी हरियाणा में है और अन्य धर्मो के लोग भी गुरु नानक देव जी में आस्था रखते हुए बड़ी संख्या में उनके प्रकाश पर्व में शामिल होते हैं। ऐसे में यह छुट्टी कैंसिल कर बैंकों में कार्य कर रहे श्रद्धालुओं के साथ अन्याय किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के साथ साथ हरियाणा सरकार ने कल गुरु नानक प्रकाश पर्व पर छुट्टी का ऐलान किया है और कोर्ट भी कल बंद रहेंगे। ऐसे में बैंकों में हर वर्ष गुरु नानक प्रकाश पर्व पर होने वाली छुट्टी को कैंसिल करना समझ से परे है व इसे लेकर सिख समाज में रोष है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत होगें सर्वोच्च न्यायालय लीगल सर्विसेज कमेटी के नए अध्यक्ष : इरम हसन

करनाल, बिट्टू संधू

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन ने बताया कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सर्वोच्च न्यायालय लीगल सर्विसेज कमेटी (एससीएलएससी) के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत (एससीएलएससी) को मनोनीत भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा किया गया है। इस आशय की अधिसूचना 12 नवंबर, 2024 को आधिकारिक राजपत्र में नालसा द्वारा प्रकाशित की गई थी। इससे पहले यह पद न्यायमूर्ति बी. आर. गवई के पास था, जिन्हें हाल ही में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर पड़े और वंचित वर्गों के लिए, उन्हें देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने में वित्तीय या सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

बेतिया को देश का 5 वा मेट्रो सिटी बनाकर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू के सपनों को साकार करे सरकार।

पंडित नेहरू के जन्म दिवस पर यही होगी सरकार द्वारा सच्ची श्रद्धांजलि।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। सभागार सत्याग्रह भवन में स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की 135 वी जन्म दिवस पर एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न धर्मों के लोगों बुद्धिजीवियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर पीस एम्बेसडर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया , वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक ने संयुक्त रूप से कहा कि आज ही के दिन 14 नवंबर 1889 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म हुआ था ।सत्याग्रह की जन्मस्थली बेतिया पश्चिम चंपारण से पंडित जवाहरलाल नेहरू का गहरा लगाव रहा। चंपारण सत्याग्रह के बाद 15 जनवरी 1934 को बिहार में आए भीषण भूकंप में राहत कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। देश की स्वाधीनता के बाद प्रोफेसर शिबन लाल द्वारा उत्तर प्रदेश ,बिहार एवं नेपाल के क्षेत्रों को बाढ़ एवं कटाव से बचाने के लिए प्रोफेसर शिबन लाल के 28 दिवसीय आमरण अनशन के बाद भारत सरकार एवं नेपाल सरकार ने बाल्मीकि बराज बनाने का निर्णय लिया था।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू गंडक बराज के शिलान्यास के लिए अपनी पुत्री इंदिरा गांधी के साथ वाल्मीकिनगर गंडक बराज के शिलान्यास के लिए बेतिया पश्चिम चंपारण पहुंचे थे ।बेतिया पश्चिम चंपारण के प्राकृतिक संसाधनों एवं बेतिया राज के स्थिति को देखते हुए बेतिया को भारत का पांचवा मेट्रो सिटी बनाने की घोषणा की थी। स्मरण रहे कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मई 2014 को बेतिया के ऐतिहासिक बड़ा रमना के मैदान में" बेतिया को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत का पांचवा मेट्रो सिटी बनाने की बात का जिक्र किया था एवं बेतिया के विकास की बात किया था ।इस अवसर पर वक्ताओं ने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। भारत सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है की बेतिया को देश का पांचवा मेट्रो सिटी बनाए ताकि पंडित जवाहरलाल नेहरू के सपनों को साकार करे । पंडित नेहरू के जन्म पर बेतिया को भारत का पांचवां मेट्रो सिटी बना कर पंडित नेहरू के सपने को साकार करे। सरकार द्वारा यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू गंडक बराज के शिलान्यास के लिए अपनी पुत्री इंदिरा गांधी के साथ वाल्मीकिनगर गंडक बराज के शिलान्यास के लिए बेतिया से बाल्मीकि नगर पहुंचे थे। वे अपने साथ एक पौधा भी लेकर पहुंचे थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर क्षेत्र और बिहार के पश्चिमोत्तर क्षेत्रों की सिचाई के लिए नहर प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से दूरदर्शी परियोजना तैयार कराई जिसका लाभ आज दिखता है। उन्होंने नेपाल के तात्कालिक शासक राजा महेन्द्र विक्रम शाह से 4 मई 1959 में समझौता किया था। नेहरू जी अपने साथ दिल्ली से सीता अशोक का एक पेड़ लेकर आए थे। जिसे वाल्मीकिनगर हाई स्कूल के प्रांगण में लगाया गया। यह पेड़ आज भी पंडित नेहरू की याद दिलाता है। भले ही चाचा नेहरू आज हमारे बीच नहीं, लेकिन बतौर प्रधानमंत्री पश्चिम चंपारण के लिए उनके फैसले आज भी प्रासंगिक हैं। माननीय प्रधानमंत्री,माननीय मुख्यमंत्री जी ,माननीय सांसद संजय जयसवाल जी , माननीय मंत्री भारत सरकार सतीश चंद्र दुबे की जिम्मेवारी है कि बेतिया पश्चिम चंपारण को भारत का पांचवा मेट्रो सिटी बनाकर क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करे।

पूर्ण पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराएं पैक्स निर्वाचन - जिला निर्वाचन पदाधिकारी।

स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से पैक्स निर्वाचन को सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन दृढ़ संकल्पित।

›› बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा जारी दिशा-निदेशों का करें अक्षरशः अनुपालन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया दिनेश कुमार राय ने कहा कि पूर्ण पारदर्शी तरीके से पैक्स निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन दृढ़ संकल्पित है। पैक्स निर्वाचन से जुड़े हुए सभी संबंधित अधिकारी बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा जारी दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए पूर्ण स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से पैक्स निर्वाचन को सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। पैक्स निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को ससमय निष्पादित कराना सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित पैक्स निर्वाचन कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बारी-बारी से विभिन्न कोषांगों द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी। उन्होंने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निदेशों से सभी संबंधित अधिकारियों को ससमय अवगत कराएं। प्रत्येक बिन्दुओं की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों को होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्याप्त संख्या में मतपेटिका की उपलब्धता सुनिश्चित करें। मपेटिकाओं की ग्रीजिंग, मरम्मति आदि ससमय करा लें। इसके साथ ही पर्याप्त संख्या में मतपत्रों की छपाई भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि मतपत्रों के रंगों की जानकारी वोटरों को दे दी जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि सामग्री कोषांग समय पर सभी सामग्रियों की उपलब्धता के साथ वितरण कराना सुनिश्चित करेंगे। बैलेट पेपर, कलर आदि की बारीकी से निगरानी करेंगे। वाहन कोषांग वाहनों का आंकलन कर पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। अपर समाहर्ता, विभागीय जांच द्वारा बताया गया कि कार्मिक कोषांग द्वारा अपने दायित्वों का निवर्हन किया जा रहा है। प्रथम नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया है। प्रशिक्षण कोषांग द्वारा विधिवत रूप से कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित कुल-60 कार्मिकों को शोकॉज किया गया है। जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रथम चरण अंतर्गत भितहां, नौतन एवं नरकटियागंज प्रखंडों के कुल-50 पैक्सों हेतु निर्वाचन होना है। नामांकन की अवधि 13 नवंबर को समाप्त हो गयी है। 14 नवंबर से 16 नवंबर तक संवीक्षा की जायेगी। दिनांक-19.11.2024 को अभ्यर्थिता वापसी/प्रतीक आवंटन की तिथि निर्धारित है। 26 नवंबर को मतदान की तिथि है। मतदान के दिन ही मतगणना का कार्य सम्पन्न कराया जाना है।

बाल दिवस बच्चों के लिए समर्पित दिन होता है : डॉ बिमल कारक

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

पटना, 14 नवम्बर :: बाल दिवस बच्चों के लिए समर्पित दिन होता है भारत के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू बच्चो से बहुत लगाओ प्रेम रखते थे कहते थे कि ये हमारे देश के भविष्य है उक्त बातें विख्यात चिकित्सक डॉ बिमल कारक ने शाह अजीमाबाद वेलफेयर एजुकेशनल ऐंड चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मदरसा गुलशने इब्राहिम में आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम में मदरसा के 51 छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र, मेडल और मिठाई देकर सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए पत्रकार मज्जर सुलेमान ने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन इरशाद अली आजाद ने कहा कि मदरसा के छात्रों के एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर होनी चाहिए, आज का समय विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के साथ साथ चलने का समय है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार सरकार मदरसा के लिए बहुत कार्य कर रही है, जो देश के लिए नजीर है। मज्जर सुलेमान ने यह भी बताया कि मुख्य अतिथि डॉ बिमल कारक ने मदरसा के बच्चों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में किए गए भाषण और कार्यक्रम देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त किया।मदरसा के बच्चे आज हर जगह अपने कामयाबी का झंडा बुलंद कर रहे है। मज्जर सुलेमान ने बताया कि उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर मतीउर रहमान ने भी बच्चो को बाल दिवस पर उज्वल भविष्य के लिए शुभकामना दी। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों में डॉ मो इकबाल, हनीफ शेख, शाह फैजुर रहमान, मदरसा के सचिव खलील अहमद ने भी अपनी अपनी बाते रखी। कार्यक्रम का संचालन सचिव मो यूनुस ने किया अध्यक्षता प्रधानाध्यापक रौनक एहसान ने की, धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक मुशर्रफ हसन ने किया। मो सादिक मो अफरीदी, शहाबुद्दीन, असद जिलानी , नगमा परवीन , उजमा जैदी अफरोज ,अब्दुल करीम , मैंमूर सुल्तान , सबा हाशमी , साद कादरी और मिफ्जल ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया और जवाहर लाल नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला।

मस्जिद और उसके खिड़की पर पत्थर मारकर शीशा तोड़ने पर दो युवक गिरफ्तार।

एसडीपीओ के नेतृत्व मे जमुनिया मे शांति समिति की बैठक कर लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की कि गई अपील।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। बिहार के पश्चिम चंपारण में मस्जिद के खिड़की के शीशा असमाजिक तत्वो द्वारा मारकर तोड़ देने के आरोप मे पुलिस ने दो युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। घटना की सूचना पर एसपी शौर्य सुमन ने जगदीशपुर थाना पहुंच मामले की जानकारी ली।तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसपी शौर्य सुमन ने बताया कि बुधवार कि देर रात्री जमुनिया नौका टोला मे एक धार्मिक स्थल के खिड़की की शीशा पत्थर फेंक तोड़ दिए थे। जिसकी सूचना लोगो ने थाना को दी।सूचना पर पुलिस पहुंच लोगो के निशानदेही पर जमुनिया के विशाल कुमार व आयुष कुमार को हिरासत मे पूछताछ की। पूर्व मे भी दोनो युवक करीब एक माह पहले पंचायत मे बन रहे कचरा भवन को भी तोड़ फोड़ किए थे।जिसकी शिकायत लोगो द्वारा प्राप्त हुई। दोनों युवक की धार्मिक स्थल को क्षतिग्रस्त पहुंचाने की बात सामने आई। जिसपर धार्मिक स्थल के मौलाना जबीहुल्लाह के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया है। स्थिति नियंत्रण मे है। पुलिस गांव मे कैंप कर रही है।एसपी ने बताया कि मोतिहारी के पहाड़पुर व जगदीशपुर थाना के सीमावर्ती थाना मे बड़ी मात्रा मे शराब पकडे जाने की सूचना पर वे जगदीशपुर थाना पहुंच शराब से संबंधित जानकरी ली है।तथा इस संदर्भ मे थानाध्यक्ष राहुल सिंह को आवश्यक निर्देश दिए है। जमुनिया नौका टोला बुधवार की देर रात्रि धार्मिक स्थल पर असाजिक तत्वो द्वारा पथराव कर खिड़की पर लगे शीशा को तोड़ दिया गया।शीशा टूटने की आवाज सुनकर मझौलिया के शेख मझरिया के मौलवी जबिहुल्ला अंसारी बाहर आए तो देखे की तीन युवक विशाल,आयुष व एक और जिसे वे नही पहचानते है भाग रहे है।हल्ला करने पर गांव वाले इक्कठा हो गए और इसकी सूचना पुलिस को दी।पुलिस ने त्वरित पहुंच विशाल व आयुष को हिरासत मे लिया। सदर-2 एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी भी रात्रि मे पहुंचे व गांव वालो से बात कर मामला शांत कराई। गुरुवार को सुबह गांव मे तनाव की सूचना पर भी एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी अतिरिक्त पुलिस के महिला व पुरुष बल के दर्जनों जवानो के साथ जमुनिया घटनास्थल पर पहुंच गांव के दोनो पक्षो को बैठक कराकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की नसीहत दी।फिलहाल गांव मे शांति व्यवस्था बनी रहे इसके लिए जगदीशपुर पुलिस कैंप कर रही है। गांव वालो का कहना है कि हम सभी धर्म के लोग एक साथ है।गांव मे किसी प्रकार की तनाव की स्थिति नही है।पकडे गये युवक असमाजिक तत्व के लोग है।जिनसे गांव वालो की कोई लेना देना नही है।साथ ही दोन युवक नशा का भी सेवन करते है।नशा मे ऐसी घटना को माहौल बिगाड़ने की नीयत से अंजाम दिया गया है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

■ महोबा

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज- 5.0 के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक महोबा, पलाश बंसल के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के निकट पर्यवेक्षण में जनपद महोबा में नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं/छात्र-छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों व महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया।

सपा सांसद ने पालिकाध्यक्ष और ईओ को बताया भ्रष्ट

कार्रवाई के लिये शासन को लिखा पत्र

■ चित्रकूट

सपा सांसद कृष्णा देवी पटेल ने राज्यपाल समेत प्रमुख सचिव नगर विकास को पत्र लिखकर नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता और अधिषाषी अधिकारी लालजी यादव पर गबन करने और बगैर अनुमति के पेड कटवाने अथवा दूसरे की जमीन पर कार्यालय बनाने के मामले मे कडी कार्रवाई को पत्र लिखा है।

पहली बार कलेक्टेज्ट मे बैठक ले रही सांसद ने कहा कि नगर पालिका द्वारा बिना फ्री होल्ड कराये नजूल भूमि गाटा संख्या 196 भूखण्ड 613 रक्बा तीन बीघा तुलसी स्मारक सभा की भूमि पर स्थानीय प्रषासन के निर्माण कार्य रोकने की नोटिस के बावजूद रातो रात निर्माण कार्य कराया जा रहा है। वहां पर लगे सैकडो हरे सौगान के पेड बगैर डीएफओ की सूचना दिये कटवा लिये गये है जबकि पुलिस ने इन सभी कटे हुए पेडो को कान्हा गौषाला से बरामद किया जा चुका है।

उन्होने सवाल उठाया है कि अध्यक्ष और ईओ बताये कि कौन से उच्चाधिकारी की अनुमति से पेड काटे गये अथवा भवन निर्माण कराया जा रहा है। पूर्व सभासद सुषील श्रीवास्तव नेता ने स्मारक सभा के पदेन सदस्य के मामले को संज्ञान मे दिया था। तब प्रभागीय वनाधिकारी ने तीन सदस्यीय टीम बनाकर जांच रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट मे सौगान के पेड लगे होने की लकडियां के बोटे कान्हा गौषाला से बरामद कर लिया गया है। इस मामले मे एफआईआर भी दर्ज हो गयी है। भ्रष्टाचार के आकंठ मे डूबे ईओ पालिका के और भी कारनामो के खुलासे की संस्तुति की गयी है। सांसद ने कहा है कि दोनो मामले मे नगर पालिका के ईओ लालजी यादव और अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता की पूर्ण संलिप्तता है। उन्होने उच्चाधिकारियो को पत्र लिखकर कहा है कि जांच समिति बनाकर जांच बाद कठोर कार्रवाई की जाये और रात मे चलने वाला निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाये। सांसद ने इस आषय का पत्र राज्यपाल, प्रमुख सचिव नगर विकास, मुख्य सचिव लखनउ, मण्डलायुक्त और जिलाधिकारी को भेजा है।

जिला जज ने अधिकारियों की ली बैठक

■ चित्रकूट

आगामी 14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर विकास कुमार प्रथम, जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में नोडल/राजस्व अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुयी। अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण को बल दिया गया। उपभोगता फोरम तथा आर्बिट्रेशन सम्बन्धित वादों का निस्तारण किया जाना है। बैठक में राममणि पाठक नोडल अधिकारी लोक अदालत, एससी/एसटी अनुराग शर्मा, अग्रणी बैंक प्रबन्धक, सुरेन्द्र कुमार जिला सूचना अधिकारी, मो0 जसीम उपजिलाधिकारी, चक्रपाणि त्रिपाठी अपर पुलिस अधीक्षक, जयकरन सिंह क्षेत्राधिकारी राजापुर, राजकमल क्षेत्राधिकारी कर्वी उपस्थित रहे।

योजना में करें आवेदन

चित्रकूट। सहायक श्रमआयुक्त रतन कुमार गुप्ता ने बताया कि 15 दिसंबर तक आवेदन प्राप्त होने पर उनसे सम्बन्धित प्रकिया 31 दिसंबर तक पूर्ण कर लाभान्वित किया जाना है। ऐसे सभी अंसगठित कर्मकार जो ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हुये थे एवं जिनकी 31 मार्च 2022 से पूर्व इसी अवधि में दुर्घटना में दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गयी हो अथवा विकलागंता आ गयी हो एवं उक्त अवधि में आयकर दाता न हो, ई0एस0आई0/ईपीएफओ के सकिय सदस्य ना-हो, को निम्न हितलाभ देय होगा।

कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

■ चित्रकूट

यातायात माह नवंबर के तहत यातायात निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह एवं विकास पथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर सिंह गांधी के संयुक्त तत्वावधान में पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछार पुरवा में यातायात पखवाड़ा के अंतर्गत यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यातायात निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। सदैव दाएं बाएं देखकर ?बरा क्रॉसिंग से रोड क्रॉस करनी चाहिए साथ ही सभी को सड़क पर बायें चलना चाहिए। हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाकर सुरक्षित यात्रा करनी चाहिए शहरों में लाल नीली और पीली लाइटिंग को देखकर के ही आगे जाना चाहिए जहां रुकना हो वहां रुकना चाहिए इससे हमारी जिंदगी हमारा समाज सुरक्षित रहता है इस मौके पर संस्थान की तरफ से सभी बच्चों को निशुल्क जूस एवं शैंपू वितरित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यासागर सिंह ने किया।

इस मौके पर लवकुश सिंह, डॉ विकास सिंह, रचना यादव, सुशील पांडेय, सरला देवी, सोनू गौतम, दीपा देवी, ममता देवी, रंजना चंदेल, गरिमा सिंह, गीतांजलि देवी, सियाराम सिंह, प्रियंका द्विवेदी सहित लगभग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में जीत से ज्यादा जरूरी प्रतिभाग करना : विधायक

बीपीएमए में आयोजित मिनी बालक्रीड़ा प्रतियोगिता का अंतिम दिन

■ बांदा

बेसिक शिक्षा विभाग में ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे लाने व उनके प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच प्रदान किया है जो की सराहनीय हैं। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर खेल भावना व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से अपनी भागीदारी की खेल में जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण उसमें प्रतिभाग करना है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा भी खेलों को आगे बढ़ाने की योजनाएं चलाई जा रही है यह बात मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी में आयोजित जनपदीय मिनी बालक्रीड़ा प्रतियोगिता में कही।

दो दिन तक चली क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने प्राथमिक बालिका वर्ग में कमासिन क्षेत्र की अर्चना व बिसंडा क्षेत्र की महिमा ने संयुक्त रूप से व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीती। प्राथमिक बालक वर्ग में बिसंडा क्षेत्र के सत्यम व जूनियर बालक वर्ग में बबेरू क्षेत्र के पवन व बालिका वर्ग में जसपुरा क्षेत्र की प्रांशी ने तीन तीन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान अर्जित कर व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीती।

प्रतियोगिताओं में जूनियर स्तर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में क्षेत्र कमासिन की रक्षा, जसपुरा क्षेत्र की प्रांशी प्रथम व द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में जसपुरा क्षेत्र की प्रांशी प्रथम व बबेरू क्षेत्र की ज्योति द्वितीय, 400 मीटर दौड़ में नरैनी क्षेत्र की रोशनी प्रथम व जसपुरा क्षेत्र की प्रांसी दूसरे स्थान पर रहीं। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 200 मीटर दौड़ में बिसंडा क्षेत्र के लवकुश प्रथम, कमासिन क्षेत्र के संदीप द्वितीय, 400 मीटर दौड़ में कमासिन क्षेत्र में संदीप प्रथम बिसंडा क्षेत्र के लवकुश द्वितीय, प्राथमिक बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में तिंदवारी क्षेत्र की अंजली व जसपुरा क्षेत्र की नजरीन प्रथम व द्वितीय रही। रात्रि में सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत लोकगीत, लोकनृत्य व एकांकी में कमासिन क्षेत्र विजेता, जिमनास्टिक व योगा में यूपीएस यूपीएस कनवारा की टीम विजेता रही।

अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, हरवंश श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, कुलदीप पटेल, हरीश कश्यप, उमेश तिवारी, फूल सिंह, शैलेंद्र मिश्र, रमेश राजपूत, रमेश पटेल, सौरभ आर्य, शशांक मिश्रा, रामदेव सिंह ने मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आदित्य प्रकाश द्विवेदी, सीमांजलि दीक्षित, भुवनेंद्र यादव,सुनील कुमार, चंद्र मोहन साहू, अखिलेश यादव, राकेश शिवहरे ने अतिथियों का मस्तक अलंकरण कर स्वागत किया। आशुतोष गौतम, सुनीता प्रजापति, देवी किशोर शुक्ला, सुधा राजपूत, वंदना सोलंकी, बलराम त्रिपाठी, ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक का दायित्व निभाया।

विकास कार्यो की योजना बनाकर धरातल पर दिखे कार्य-सांसद

अधिकारियों की बैठक मे दिये निर्देश

चित्रकूट। बांदा-चित्रकूट सांसद कृष्णा देवी पटेल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। सांसद ने जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से कहा कि यह मेरी आज पहली बैठक है सभी अधिकारी क्षेत्र के सतत विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य करें आज जिन बिंदुओं पर समीक्षा की गई है और उसमें जो कार्य कराए जाने हैं उसकी अगली बैठक के पहले प्रत्येक दशा में सभी संबंधित अधिकारी कार्य को पूरा करके अगली बैठक में कार्यवाही प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह को निर्देश दिए की मनरेगा योजना के कार्यों में प्रगति कराई जाए। डीसी एनआरएलएम से कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जो स्वयं सहायता समूह के गठन करने का लक्ष्य दिया गया है उसमें प्रगति कम है इसमें प्रगति कराई जाए। अधिशासी अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से कहा कि जिन सड़कों के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उसकी सूची सभी सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों को दी जाए एवं अरछा बरेठी व बूढ़ा सेमरवार की जो सड़क खराब हो गई है उसकी कमेटी बनाकर मुख्य विकास अधिकारी जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। विधायक चित्रकूट ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि खोह अस्पताल का संचालन सही तरीके से कराया जाए तथा जिला अस्पताल में जो ब्लड बैंक की मशीन खराब है उसको तत्काल ठीक कराया जाए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अषोक जाटव, चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, मानिकपुर अरविंद मिश्रा, मऊ सुशीला देवी, रामनगर गंगाधर मिश्रा, अध्यक्ष नगर पंचायत राजापुर संजीव मिश्रा, मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

इमारत में आग लगने से बुजुर्ग झुलसा

मुंबई । मुंबई के चेंबूर इलाके में सात मंजिला इमारत में आग लगने से एक बुजुर्ग व्यक्ति झुलस गया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चेंबूर के वाशी नाका स्थित म्हाडा कॉलोनी की इमारत नंबर छह में एक कमरे में बुधवार रात करीब 10:45 बजे आग लग गई। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि आग से नफीर सैय्यद (60) झुलस गए और उनके हाथ, चेहरे तथा गर्दन पर जलने के निशान हैं। उन्हें उपचार के लिए सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर है।

कम दृश्यता के लिए विशेष सुरक्षा उपाय लागू

नई दिल्ली । खराब मौसम के कारण गुरुवार की सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन के लिए कम दृश्यता वाले विशेष सुरक्षा उपाय लागू किए गए। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है और यहां प्रतिदिन लगभग 1,400 उड़ानों का आवागमन होता है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने सुबह सात बजे सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता की स्थिति में उपयोगी विशेष सुरक्षा उपाय किए गए हैं। सभी उड़ानों का संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। डीआईएएल ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे उड़ान की ताजा जानकारी के लिए संबंधित विमानन कंपनी से संपर्क करें। इंडिगो एयरलाइन ने कल देर रात दो बजकर 37 मिनट पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज सुबह कोहरे के कारण अमृतसर, वाराणसी और दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

इस्लामी गणतंत्र ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा ट्रम्प के साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

ईरान। हमारे लिए भेड़िया और सियार में कोई अंतर नहीं है और वे एक ही हैं। तथाकथित संयुक्त राज्य अमेरिका के तथाकथित राष्ट्रपति, जो अपने धोखेबाज, फिएट, लीक, नकली और टॉयलेट पेपर मुद्रा "नकली अमेरिकी डॉलर" द्वारा दुनिया के वित्त और मुद्रा को नियंत्रित कर रहे हैं।तथाकथित अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पहले भेड़िया और सियार से सामान्य मनुष्य में विकास के नकली और झूठे सिद्धांत द्वारा परिवर्तित किया जाना चाहिए। उसके बाद ही ईरान उनसे बात करेगा। हम जानते हैं कि सर्कस या प्राणि उद्यानों में भेड़ियों और सियारों के साथ कैसा व्यवहार और नियंत्रण करना है।

बाइडन ने ट्रंप को पत्नी मेलानिया के लिए हस्तलिखित शुभकामना संदेश भी दिया

व्हाइट हाउस में जो बाइडन और ट्रंप की मुलाकात, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव नतीजों के बाद पहली बार मिले दोनों नेता

- ट्रंप ने चुनाव में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए बाइडन को जीत की बधाई नहीं दी थी
- बाइडन ने पूर्व वादे के अनुसार जनवरी में सामान्य तरीके से सत्ता के हस्तांतरण का वचन दिया

एजेंसी, वॉशिंगटन

ट्रंप ने जताई राष्ट्रपति के तीसरे कार्यकाल की इच्छा

अमेरिका में करीब चार वर्ष तक कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे राष्ट्रपति जो बाइडन और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई। मुलाकात में बाइडन ने पूर्व वादे के अनुसार जनवरी में सामान्य तरीके से सत्ता के हस्तांतरण का वचन दिया। ओवल हाउस में हुई दोनों नेताओं की मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। ट्रंप का बाइडन और उनकी पत्नी जिल ने स्वागत किया। इस दौरान जिल बाइडन ने ट्रंप को पत्नी मेलानिया के लिए हस्तलिखित शुभकामना संदेश भी दिया। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन ने ट्रंप को हरा दिया था, उसके बाद हालात तनावपूर्ण बन गए थे और ट्रंप ने चुनाव में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए बाइडन को जीत की बधाई नहीं दी थी। उसी दौरान ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी संसद पर हमला कर उस पर कब्जा कर लिया था। इस बार के चुनाव में भी दोनों ओर से हुए व्यक्तिगत आक्षेपों के बाद जुलाई में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ी थी। प्रचार के दौरान बाइडन ने जहां ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया था, वहीं ट्रंप ने बाइडन को अक्षम कहा था। उसी के बाद कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी बनकर चुनाव लड़ीं थीं।

वाशिंगटन दौरे में बुधवार को निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रतिनिधि सभा में चुनाव जीतकर आए अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों से भी मिले। उन्होंने सदन में पार्टी की स्थिति पर संतोष जताया। कहा, जीत हमेशा अच्छी होती है। इस दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के तीसरे कार्यकाल में भी कार्य करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि इसके लिए संविधान में बदलाव हो सकता है। अमेरिका में वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था में कोई भी व्यक्ति दो कार्यकाल से ज्यादा राष्ट्रपति पद पर नहीं रह सकता है। इस संवैधानिक व्यवस्था में बदलाव तभी हो सकता है जब अमेरिका के सभी राज्यों की असेंबली तीन चौथाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करें। राष्ट्रपति का कार्यकाल बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन की यह प्रक्रिया करीब सात वर्ष लंबी है। विदित हो कि फ्रैंकलिन डी रुजवेल्ट 1933 में राष्ट्रपति बनने के बाद 1945 में मृत्यु होने तक राष्ट्रपति रहे थे।

इजरायली लड़ाकू विमानों ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर 13 हिंसक हमले किए

लोकल ट्रेनें भी देरी से चल रही

कोहरे में ट्रेन यात्रियों की बढ़ी परेशानी 17 घंटे तक लेट चल रही ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली

संरक्षा कार्य व कोहरे के कारण ट्रेनों की आवाजाही बृहस्पतिवार को भी बुरी तरह से बाधित रही। दिल्ली आने वाली लंबी दूरी की कई ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं। इससे यात्रियों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि इन ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव किया गया है। लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से डेढ़ घंटे तक के विलंब से चल रही है। वहीं, दिल्ली में ट्रेन से दफ्तर जाने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। आनंद विहार टर्मिनल-डिब्रुगढ़ त्योहार विशेष ट्रेन 13 घंटे के विलंब से बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे रवाना हुई। नई दिल्ली-बनारस काशी विश्वनाथ लगभग सात घंटे विलंब से शाम 6.40 बजे, नई दिल्ली डिब्रुगढ़ हमसफर एक्सप्रेस लगभग पौने छह घंटे के विलंब से शाम 5.55 बजे, नई दिल्ली-राजेंद्र नगर विशेष ट्रेन लगभग पौने तीन घंटे के विलंब से शाम चार बजे और नई दिल्ली-भुवनेश्वर दुरंतो लगभग दो घंटे के विलंब से दोपहर ढाई बजे रवाना होगी।

घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा

ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से एंबुलेंस के उड़े परखच्चे

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में बुधवार शाम को एक एंबुलेंस में आग लग गई। गनीमत रही कि ड्राइवर की सतर्कता के चलते एंबुलेंस में सवार गर्भवती महिला और उसके परिवार की जान बच गई। उनके एंबुलेंस से उतरते ही कुछ मिनटों बाद ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिखाया गया है कि एंबुलेंस में आग लगने के बाद एक तेज धमाका हुआ, जिससे आसपास के घरों की खिड़कियां टूट गईं और मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, घटना दादा वाडी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक फ्लाईओवर पर हुई। एक एंबुलेंस गर्भवती महिला और उसके परिवार को एरंडोल सरकारी अस्पताल ले जा रही थी। इस दौरान ड्राइवर ने एंबुलेंस के इंजन से धुआं निकलता देखा। ड्राइवर ने बिना देरी किए एंबुलेंस को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और उतरकर वाहन से दूर चला गया। साथ ही उसने एंबुलेंस में सवार गर्भवती महिला और उसके परिवार को भी उतरने के लिए कहा, जिसके बाद गर्भवती महिला और उसका परिवार भी एंबुलेंस से उतकर दूर खड़े हो गए।

सुरक्षित जगह पहुंचते ही हुआ तेज धमाका

जैसे ही सभी लोग एंबुलेंस से उतरकर सुरक्षित जगह पर पहुंचे, कुछ मिनटों बाद ही एंबुलेंस में आग लग गई। देखते ही देखते एंबुलेंस में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर में तेज धमाका हुआ, जिससे वाहन के परखच्चे उड़ गए।

हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ काम कर रहे हैं भारतीय अमेरिकी

अमेरिका में दिवाली का जश्न बरकरार, राष्ट्रपति चुनाव के हफ्ते बाद कैपिटल में बड़ा आयोजन

- दिवाली का आयोजन बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा किया गया
- सांसदों और प्रतिष्ठित भारतीय अमेरिकियों ने दिवाली मनाई

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका में पिछले सप्ताह हुए राष्ट्रपति चुनाव के बाद एक बड़ा आयोजन किया गया। यहां के यूएस कैपिटल में दो दर्जन से अधिक सांसदों और प्रतिष्ठित भारतीय अमेरिकियों ने दिवाली मनाई। कैपिटल हिल में हर साल दिवाली मनाई जाती है। इस बार यह आयोजन बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख फॉर अमेरिका, जैन एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और आर्ट ऑफ लिविंग सहित कई अन्य भारतीय अमेरिकी संगठनों के सहयोग से किया गया था। अमेरिकी सांसद डैन म्यूसर ने एक्स पर तस्वीरें साझा कर कहा, 'आज रात कैपिटल हिल पर दिवाली और हिंदू नववर्ष मनाने के लिए बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर और कई भारतीय-अमेरिकी संगठनों के साथ शामिल होना एक खुशी की बात थी। एक अरब से ज्यादा लोगों द्वारा मनाया जाने वाला दिवाली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और आस्था, परिवार और समुदाय के मूल्यों को बढ़ावा देता है।' पिछले महीने मिशिगन के 13वें संसदीय जिले से फिर से चुने गए सांसद श्री थानेदार ने कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में संसद के इतिहास में पहली बार हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध कॉकस बनाया। उन्होंने कहा कि वह राज्य विभाग के साथ मिलकर अमेरिका भर में हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ काम कर रहे हैं और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ भी काम कर रहे हैं। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारतीय अमेरिकी समुदाय अमेरिका में सबसे तेजी से बढ़ता अल्पसंख्यक समुदाय है।

'अमेरिका प्रवासियों का देश'

दिवाली समारोह पर सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि अमेरिका प्रवासियों का देश है, जो दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ और सबसे उज्ज्वल लोगों को आकर्षित करता है। यह लोग मिलकर अमेरिका को एक महान देश बनाते हैं। मिसिसिपी की सीनेटर सिंडी स्मिथ हाइड ने भारतीय अमेरिकियों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अगले चार सालों में देश की समृद्धि की उम्मीद करती हैं।उन्होंने आगे कहा कि हम आपको प्रोत्साहित करना चाहते हैं कि हम एक स्थिर वातावरण चाहते हैं। हम एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था चाहते हैं।

भूमाफियाओं, बलात्कारियों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला

विधानसभाओं को न्यायिक नियुक्ति आयोग गठित करने के प्रस्ताव पास करने चाहिए, ताकि तानाशाही की तरफ बढ़ रही न्यायपालिका को संविधान और लोकतंत्र के दायरे में लाया जा सके।

इंडिया से गेट

अजय सेतिया की कलम से

योगी आदित्यानाथ के बुलडोजर की देश ही नहीं दुनिया भर में तारीफ़ हो रही है। क्योंकि, पहले की सरकारें गुंडों, बलात्कारियों, भूमाफियाओं को संरक्षण देती थी। सरकारी जमीनों पर ही नहीं, गरीबों की जमीनों पर भी कब्जे हो रहे थे। एक खास समुदाय के गुंडे दूसरे समुदाय की लड़कियों को उठा कर ले जाते थे। कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता था, बलात्कारियों का भी कुछ नहीं बिगड़ता था। उन्हें अखिलेश यादव का राजनीतिक संरक्षण मिलता था। और हर राज्य में आखिलेश यादव भरे पड़े हैं। कोई कोर्ट में पहुंच भी जाए तो वे पैसों के बल पर बड़ा वकील खड़ा कर लेते थे, जो अदालत से स्टे ले आता था। सिंघवी और सिब्बल जैसा बड़ा वकील खड़ा कर दो तो भूमाफिया तो छोड़िए, भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को भी जमानत मिल जाती है। अदालत से स्टे और जमानत के बाद गुंडागर्दी और बढ़ जाती थी। सरकारों और न्यायपालिका के संरक्षण के चलते उप्र में गुंडा राज चल रहा था। अदालतें ताकतवर लोगों के मुकदमों पर कुंडली मार कर बैठी रहती थीं, आज भी बैठी रहती हैं। योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर कार्रवाई से उप्र में सब कुछ बदल गया। योगी के बुलडोजर ने सबका दिमाग ठीक कर दिया है। इसलिए योगी सर्वोच्च न्यायालय की आंख की किरकिरी बने हुए थे, क्योंकि वह पहले के मुख्यमंत्रियों की तरह अपराधियों को संरक्षण नहीं देते। वे गरीबों के साथ खड़े हैं और अपराधियों को अदालत जाने का मौक़ा भी नहीं देते। तुरंत सजा और गरीब को तुरंत न्याय दे रहे हैं। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दुनिया भर में योगी मॉडल की बात हो रही है। लेकिन, भारत की सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को अवैध निर्माण तोड़ने पर भी रोक लगा दी। कोई प्रभावित व्यक्ति कोर्ट में जाए और कहे कि उसकी प्राईवेट प्रापर्टी पर बुलडोजर चला है तो गुण दोष के आधार पर कोर्ट फैसला करें। लेकिन, सर्वोच्च न्यायालय ने जमीनों पर कब्जे को हिन्दू मुस्लिम का सवाल बना दिया। जमीअत उलेमा-ए-हिंद की याचिका सर्वोच्च न्यायालय ने क्यों स्वीकार की, वह कैसे पार्टी थी, वह कैसे प्रभावित थी। उसने कोर्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्यप्रदेश में मुसलमानों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। सरकारी वकील तुषार मेहता ने इसे झूठ बताया, उन्होंने मध्यप्रदेश का उदाहरण दिया, जहां 70 जगहों पर बुलडोजर चला, जिनमें से 53 घर या दुकानें हिन्दुओं की थी। लेकिन, जजों को यह दलील न सुननी थी, न सुनी। हालांकि, याचिका दिल्ली में बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में थी, क्योंकि दिल्ली में डीडीए के पार्कों तक पर इन लोगों ने कब्जे कर रखे हैं। सड़कों गलियों पर कब्जे कर रखे हैं। लेकिन, जजों ने अपने फैसले में सारे देश को निशाने पर ले लिया, क्योंकि योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर जजों की आंखों में किरकिरी बना हुआ है। लेकिन, योगी का बुलडोजर थमने वाला नहीं है, हालांकि इस केस में उत्तर प्रदेश पार्टी ही नहीं थी फिर भी अखिलेश यादव और उप्र के सारे मुस्लिम नेता नाच रहे हैं, क्योंकि यह फैसला उन्हीं को राहत पहुंचाने वाला है। लेकिन, योगी किसी भी हालत में उप्र में गुंडों को हावी नहीं होने देंगे। एकाध कार्रवाई को छोड़ दें तो बाबा का बुलडोजर नोटिस देने के बाद ही चला है। उप्र सरकार ने उम्मीद जाहिर की है कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से माफिया प्रवृति के तत्वों, संगठित और पेशेवर अपराधियों पर लगाम कसने में आसानी होगी। यह योगी सरकार का सर्वोच्च न्यायालय पर तंज है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला तो माफिया प्रवृत्ति वालों को संरक्षण देने वाला है। जजों ने कम्युनिस्टों जैसी दलीलें दी हैं कि गरीब आदमी बड़ी मुश्किल से घर बनाता है। छत हर किसी का मौलिक अधिकार है तो क्या किसी भी खाली पड़ी जमीन पर कोई भी घर बना सकता है? जजों की यह दलील देश में अनार्की फैलाने वाली है। कारवाई के जो नियम बनाए गए हैं, वे अदालत से स्टे लेने के नियम हैं। वकीलों का धंधा पानी चलाने के नियम हैं। यह हर कोई जानता है कि वकील स्टे और जमानत का जुगाड़ कर लेता है। इस तरह भूमाफियों, बलात्कारियों, गुंडों मवालियों को खुली छूट मिल गई है। फैसला देने वाले दो जजों ने बड़े घमंड से कहा कि अपराधियों को सजा देना सरकार और प्रशासन का काम नहीं है, यह न्यायपालिका का काम है। जजों ने संविधान और लोकतंत्र की दुहाई दी है। इन जजों से कोई पूछे कि तुम लोग संविधान के किस अनुच्छेद के तहत अपनी प्रापर्टी का हिसाब नहीं देते हो। संविधान या लोकतंत्र के किस इम्तिहान से गुजर कर जज बने हो। न आप संविधान की कसौटी पर खरे उतरते हो, न लोकतंत्र की कसौटी पर। संविधान ने राष्ट्रपति को नियुक्ति का अधिकार दिया था। नरसिंह राव की नपुंसक सरकार के चलते आपने राष्ट्रपति से नियुक्ति का अधिकार छीन लिया। सरकार ने जजों की नियुक्तियों के लिए आयोग बनाया तो आप लोगों ने उसे ठुकरा दिया। जैसे लुटेरे किसी की गर्दन पर बंदूक रख कर लूटते हैं, वैसे ही आप सरकार और राष्ट्रपति की गर्दन पर बंदूक रख कर जजों की नियुक्तिओं पर दस्तखत करवा रहे हो। आप किस मुंह से लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हो। लोकतंत्र की हत्या तो आप लोग कर रहे हो और आप कभी मोदी और कभी योगी पर निशाना साधते हो। क्या देश को समझ नहीं आ रहा कि अपराधियों को संरक्षण और बढ़ावा देने वाले इस फैसले पर कौन नाच रहे हैं। संसद और विधानसभाओं को अब उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के जजों के फैसलों की समीक्षा करनी चाहिए। विधानसभाओं से न्यायिक नियुक्ति आयोग गठित करने के प्रस्ताव पास करने चाहिए, ताकि तानाशाही की तरफ बढ़ रही न्यायपालिका को संविधान और लोकतंत्र के दायरे में लाया जा सके।

सड़कों पर भी दृश्यता कम होने के कारण सड़क यातायात धीमा हो गया

दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सर्दियों की दस्तक

- सर्दियों के आगमन की घोषणा की और साथ ही कोहरे और प्रदूषण को लेकर विशेष अलर्ट जारी किया
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में दृश्यता में भारी कमी देखी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

जैसे ही नवंबर का महीना आया, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कई इलाकों में ठंडी हवाओं और घने कोहरे के संकेत मिलने लगे। भारतीय मौसम विभाग ने गुरुवार को क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सर्दियों के आगमन की घोषणा की और साथ ही कोहरे और प्रदूषण को लेकर विशेष अलर्ट जारी किया। मौसम के अचानक बदलने से दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में दृश्यता में भारी कमी देखी गई।

राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी कोहरा

दिल्ली में घना कोहरा, हवाई यातायात प्रभावित

दिल्ली में सुबह घने कोहरे की चादर छा गई, जिससे दृश्यता में भारी कमी आई। खासकर सुबह 8 बजे के आसपास, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता शून्य के करीब पहुँच गई, जिसके परिणामस्वरूप उड़ानें प्रभावित हुईं और यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, सड़कों पर भी दृश्यता कम होने के कारण सड़क यातायात धीमा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, इस प्रकार के कोहरे के कारण आने वाले दिनों में स्मॉग की स्थिति भी बन सकती है।

दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी घना कोहरा था। अमृतसर, बरेली और सूरतगढ़ जैसे इलाकों में दृश्यता शून्य हो गई। इन क्षेत्रों में सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट आई, जिससे कोहरे की स्थिति और भी गहरी हो गई। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में कोहरे की स्थिति और गंभीर हो सकती है, खासकर रात और सुबह के समय। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। दिन में तापमान 30-33 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, लेकिन रात के समय यह 14-18 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हालांकि, यह तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री अधिक है, और आर्द्रता का स्तर भी अधिक है, जिससे ठंड का असर और बढ़ रहा है।

इस्राइल के छह सैनिकों की मौत

हिजबुल्ला ने आईडीएफ सैन्य मुख्यालय पर किया हमले का दावा

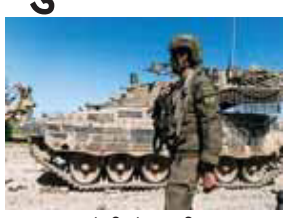

एजेंसी, तेल अवीव

हिजबुल्ला के खिलाफ लड़ाई में गुरुवार को इस्राइल को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। दरअसल लड़ाई के दौरान इस्राइल के छह सैनिक मारे गए। इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान में लड़ाई के दौरान मारे गए। इसके साथ ही लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ लड़ाई में मरने वाले इस्राइली सैनिकों की संख्या 47 हो गई है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, इस्राइली सैनिकों ने बुधवार को एक गांव में छापेमारी की थी, उसी दौरान एक इमारत में छिपे हुए चार हिजबुल्ला लड़ाकों ने सैनिकों पर फायरिंग कर दी। इस हमले में सैनिकों की जान चली गई। इस्राइली सेना के जवाबी हमले में हिजबुल्ला के चारों लड़ाके भी मारे गए। हमले में जान गंवाने वाले सैनिक इस्राइली सेना की गोलानी ब्रिगेड की 51वीं बटालियन के सैनिक थे। इससे पहले दो अक्तूबर को भी लेबनान में एक हमले में आठ इस्राइली सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। वहीं इस्राइली सैनिकों की मौत पर इस्राइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि हिजबुल्ला के खिलाफ युद्ध में कोई ढील नहीं दी जाएगी। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सैनिकों की मौत पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस्राइल ने 23 सितंबर को लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बमबारी शुरू की थी। 30 सितंबर को इस्राइली ने अपने सैनिकों को जमीनी लड़ाई के लिए लेबनान में उतार दिया था। इस्राइली हमलों में अब तक लेबनान में 3,360 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार को ही इस्राइली हमले में बेरूत में आठ लोगों की मौत हुई थी। इस्राइली सेना ने बेरूत के दक्षिण इलाके में घनी आबादी वाले क्षेत्र अरामून पर हमला किया।

संपादकीय

बुलडोजर पर दिशा-निर्देश

बुलडोजर न्याय से त्रस्त लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने बुधवार को देश में बुलडोजर से संपत्तियों को तोड़े जाने को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा है कि किसी व्यक्ति के घर या संपत्ति को सिर्फ इसलिए तोड़ दिया जाना कि उस पर अपराध के आरोप हैं, कानून के शासन के खिलाफ है। ये समझ से बाहर था कि किसी व्यक्ति पर किसी अपराध में लिप्त होने के आरोप मात्र से कैसे किसी का घर तोड़ा जा सकता है। अगर घर अवैध भी है, तो उसकी एक प्रकिया होती है। दुर्भाग्य से भाजपा शासित राज्यों में नियम कायदों को रख कर लोगों के घर तोड़े गए। कोई अपील कोई दलील काम नहीं आई। एक आम नागरिक के लिए घर बनाना कई सालों की मेहनत, सपनों और महत्वाकांक्षाओं का नतीजा होता है। ऐसा अदालत ने कहा है। घर किसी एक का भी नहीं होता, पूरे परिवार का होता है। परिवार के एक सदस्य के अपराध के लिए पूरे परिवार को कैसे सजा दी जा सकती है? यह बात सरकारों को कभी समझ में नहीं आई। बुलडोजर न्याय के पक्ष में बहुत लोग थे। वे किसी का घर गिरने से खुश होते हैं। आखिर किसी के घर गिरने से किसी को क्यों खुश होना चाहिए। कई राज्यों में प्रशासन ने ऐसे लोगों के घरों को तोड़ा है, जिन पर सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों में शामिल होने का शक था। अपना आदेश सुनाते हुए जस्टिस गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अगर कार्यपालिका मनमाने ढंग से किसी नागरिक के घर को केवल इस आधार पर तोड़ देती है कि वह किसी अपराध का अभियुक्त है तो कार्यपालिका कानून के शासन के सिद्धांतों के खिलाफ कार्य करती है। जो बात न्याय पालिका को समझ में आ रही है, वह कार्यपालिका के समझ में क्यों नहीं आ रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह की मनमानी, एकतरफा और भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों को रोकने के लिए कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं। सवाल है कि क्या उन दिशा निर्देशों पर अमल होगा? अदालत ने अपने आदेश सुरक्षित करते हुए आश्वासन दिया था कि वह दोषी करार दिए गए अपराधियों की भी वैध निजी संपत्तियों की राज्य प्रायोजित दंडात्मक विध्वंस कार्रवाइयों से रक्षा करेगी। अगर सुप्रीम कोर्ट शुरू में ही संज्ञान लेकर बुलडोजर न्याय पर रोक लगा देता तो बहुत लोगों के घर टूटने से बच सकते थे। बस यही कहा जा सकता है-देर आए, दुरुस्त आए।

अगर सुप्रीम कोर्ट शुरू में ही संज्ञान लेकर बुलडोजर न्याय पर रोक लगा देता तो बहुत लोगों के घर टूटने से बच सकते थे। देर से ही सही सुप्रीम कोर्ट का सही फैसला।

पाठकवाणी

दलितों के लिए मंदिर में प्रवेश निषेध क्यों?

आजादी के 75 वर्ष बाद भी कर्नाटक राज्य के मंडाया जिले में दलितों को प्रशासन की अनुमति के बाद भी मंदिर प्रवेश की अनुमति गांव के उच्च वर्ग के द्वारा नहीं दी जाती है। यह घटनाक्रम मांडया जिले के कालभैरवेशवर मंदिर का है, जहां पर पुलिस प्रशासन की निगरानी में दलितों ने मंदिर में प्रवेश किया था, जिसके विरोध में उच्च जाति के लोग मंदिर की मूर्ति को ही उठाकर ले गए। स्थानीय शासन प्रशासन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने उच्च वर्ग के लोगों को समझाया और बाद मे सभी वर्गों के श्रद्धालुओं ने मिलकर मंदिर प्रवेश किया। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि दलित वर्ग के प्रति समाज में सद्भाव की भारी कमी है, जिस पर हमारे धर्म गुरुओं को आगे आकर इस पर काम करना होगा।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

लोकतांत्रिक देशों के लिए

अमेरिका को प्रजातांत्रिक मूल्यों का उसे सजग प्रहरी समझा जाता है। लेकिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान डेमोक्रेट एवं रिपब्लिकन उम्मीदवार कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच जिस प्रकार का स्तरहीन वाक युद्ध हुआ वह अमेरिका जैसे प्रजातंत्र के पुरोधा एवं विकसित देश के लिए शर्मनाक बात है। राजनीति में शुचिता को बनाए रखने के लोकतांत्रिक देशों को एक स्व प्रेरित आचार संहिता के अनुसार व्यवहार करना चाहिए।

-ललित महालकरी, इंदौर

कुछ खास

अजीत पवार ने बहुत चौंकाने वाला खुलासा किया है। एमवीए सरकार गिराने का काम अडानी ने किया था। महाराष्ट्र की जनता सावधान अगर आपने भाजपा-शिंदे-अजीत पवार को वोट दिया तो आपका एक-एक वोट अडानी के काम आएगा।

-संजय सिंह, आप सांसद

आज का ट्वीट

''उत्तरप्रदेश के युवा एक बार बेवकूफ बन गए। दो बार बेवकूफ बन गए। ठीक है। लेकिन अगर तीसरी बार बेवकूफ बन गए तो इसका मतलब आप वास्तव में बेवकूफ हो''

-हंसराज मीणा

क्यों नहीं रहा हाथी मेरा साथी

शाहीन सबा

दिवाली के ठीक एक दिन पहले मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ में एक साथ दस हाथियों के मारे जाने से दुनिया सन्न है। इनमें नौ मादा थीं और दो गर्भवती। और इस तरह दो हाथियों की मौत भ्रूण में भी हो गई। इसके ठीक तीन दिन पहले पास के छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले में तीन हाथी मारे गए। कहा गया कि उन पर 11 केवीए की बिजली का तार गिर गया। अभी इस मामले की पड़ताल चल ही रही थी कि अचानक टाइगर रिजर्व के करीब बसे गांव टिंगीपुर गांव में ठीक दिवाली के दिन एक युवा होता तीन साल का नर हाथी शावक मृत मिला है। तभी खबर आई कि 4 नवंबर को असम के पश्चिम कामरूप वनमंडल के अंतर्गत कुलक्षी रेंज में धागरगांव में एक जंगली हाथी अवैध बिजली की बाढ़ की चपेट में आकर मारा गया। अभी इन सभी पर हंगामा थमा नहीं था कि 10 नवंबर को छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के मानिकपुर सर्किल के मुरका गांव अंतर्गत पी 3492 जंगल में जंगली हाथियों का दल घूम रहा है। हाथियों की निगरानी लगातार वन विभाग की टीम कर रही है।

रविवार रात हाथियों के दल से एक हाथी के बिछड़ने की जानकारी मिली और सोमवार सुबह जंगल के किनारे स्थित धान के खेत में हाथी का शव मिला। हाथी का शव मिलने के बाद वन विभाग ने जांच शुरू की तो इस बात का खुलासा हुआ कि खेत के चारों तरफ बिजली का तार लगाया गया था। खेत मालिक ने जानबूझकर हाथी को मारने के लिए हाई वोल्टेज बिजली तार में क्लच वायर से जोड़कर करंट लगाया गया था। जिसकी चपेट में आने से नर हाथी की मौत हो गई। इस खुलासे के बाद वन विभाग ने आरोपी खेत मालिक मुरका निवासी रामबक्स को गिरफ्तार कर लिया है। इसी राज्य में 12 नवंबर को बेहद मार्मिक घटना सामेन आई जब रायपुर में सीतानदी-उदंती टाइगर रिजर्व में हाथी का एक बच्चा पोटाश बम से घायल हो गया।

हाथियों को 100 लीटर पानी और 200 किलो पत्ते, पेड़ की छाल आदि की खुराक जुटाने के लिए हर रोज 18 घंटों तक भटकना पड़ता है। हाथी को थोड़ी थकान या भूख तोड़ कर रख देती है। ऐसे में थके जानवर के प्राकृतिक घर यानि जंगल को जब नुकसान पहुंचाया जाता है तो मनुष्य से उसकी भिड़ंत होती है।

दुर्भाग्य है कि बांधवगढ़ में इतनी बड़ी संख्या में हाथी की मौत के बाद भी प्रशासन सतर्क हुआ नहीं और गुस्साये हाथियों ने वहीं गांव के तीन लोग कुचल कर मार दिए। इस समूह से शेष बचे तीन हाथियों में से बिछड़ा एक हाथी बांधवगढ टाइगर रिजर्व की सीमा से होते हुए कटनी की सीमा में आ गया। हाथी की मौजूदगी से आसपास के क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

बीते कुछ सालों में हाथी के पैरों तले कुचल कर मरने वाले इंसानों की संख्या तो बढ़ी ही, पिछले तीन सालों के दौरान लगभग 300 हाथी मारे गए हैं। सन 2018-19 में 457 लोगों की मौत हाथी के गुस्से से हुई तो सन 2019-20 में यह आंकडा 586 हो गया। वर्ष 2020-21 में मरने वालों की संख्या 464, 2021-22 में 545 और बीते साल 2022-23 में 605 लोग मारे गए। केरल के वायनाड जिले, जहां 36 फीसदी जंगल है, पिछले साल हाथी-इंसान के टकराव की 4193 घटनाएं हुईं और इनमें 27 लोग मारे गए। देश में उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, केरल, कर्णाटक सही 16 राज्यों में बिगड़ैल हाथियों के कारण इंसान से टकराव बढ़ रहा है। इस झगड़े में हाथी भी मारे जाते हैं।

यह बात तो स्पष्ट हो गई है कि बांधवगढ़ में इतनी बड़ी संख्या में हाथियों की मौत कुछ विषाक्त खाने से हुई है। शक इस बात से खड़ा होता है कि राज्य सरकार के कुछ अफसर इसे तुरत-फुरत जहरीली कुटकी खाने से मौत निरूपित कर रहे थे, लेकिन जब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस बात से असहमति जताई कि जंगल का जानवर किसी वन-उत्पाद खाने से मरेगा तो हड़बड़ाहट हुई। वन महकमे के अफसर सस्पेंड हुए। इस बीच भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली की ओर से मप्र वन विभाग को सौंपी गई रिपोर्ट में हाथियों के विसरा में माइक्रो टॉक्सिन साइक्लोपियाजोनिक एसिड मिलने की पुष्टि हुई है। हालांकि, हाथियों की मौत इसी से हुई नहीं-इसका रिपोर्ट में स्पष्ट जिक्र नहीं है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मध्य प्रदेश में जंगल और वनोपज आय के बड़े माध्यम हैं लेकिन बाघ के लिए जाम कर खर्च करने वाली सरकार हाथी के लिए लापरवाह रही है। प्रदेश में वन विभाग की राज्य की विभिन्न योजनाओं के लिए 2665 करोड़ से ज्यादा बजट है। इमारती लकड़ियों के उत्पादन के लिए तक 159 करोड़ का बजट है, लेकिन हाथियों के प्रबंधन के लिए सिर्फ एक करोड़ सालाना का बजट वन विभाग के पास है। प्रोजेक्ट टाइगर पर प्रदेश का बजट 200 से 300 करोड़ के बीच रहता है, लेकिन हाथियों के प्रबंधन पर प्रोजेक्ट एलिफेंट के लिए वन विभाग ने इस साल सिर्फ 66 लाख रुपए रखे। प्रोजेक्ट एलिफेंट की शुरुआत साल 1992 में भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी जो अभी देश के 16 राज्यों में चल रहा है। हाथियों की संख्या में बढ़ोतरी और इनके शिकार को रोकने के लिए शुरू की गई योजना में प्राकृतिक आवासों को सुधारना, हाथी-मानव संघर्ष को नियंत्रित करना सहित कई काम किए जाते हैं, लेकिन वन विभाग के पास बजट होता नहीं है।

यदि आंकड़ों पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि करीबी राज्य ओडिसा के हालात हाथियों को ले कर इतने खराब हैं कि दंतैल और गुस्सैल हो गए जंगली हाथी छत्तीसगढ़ और झारखंड में अपनी खीज मिटा रहे हैं। यह सरकारी रिकार्ड में है कि 2017-18 और 4 नवंबर, 2024-25, ओडिशा में 634 मारे गए, जिनमें 22 का शिकार हुआ, एक को जहर दिया गया 91 जानबूझकर बिजली के झटके से, 32 आकस्मिक बिजली करंट से मारे गए, जबकि 28 हाथी रेल से टकरा कर काल के गाल में गए। इसी साल 58 हाथियों की संदिग्ध मौत हुई, जिसकी जांच के लिए सरकार ने आदेश दिए हैं।

जानना जरूरी है कि हाथियों को 100 लीटर पानी और 200 किलो पत्ते, पेड़ की छाल आदि की खुराक जुटाने के लिए हर रोज 18 घंटों तक भटकना पड़ता है। हाथी दिखने में भले ही भारीभरकम हैं, लेकिन उसका मिजाज नाजुक और संवेदनशील होता है। थोड़ी थकान या भूख उसे तोड़ कर रख देती है। ऐसे में थके जानवर के प्राकृतिक घर यानि जंगल को जब नुकसान पहुंचाया जाता है तो मनुष्य से उसकी भिड़ंत होती है। साल 2018 में पेरियार टाइगर कन्जर्वेशन फाउंडेशन ने केरल में हाथियों के हिंसक होने पर एक अध्ययन किया था। रिपोर्ट में पता चला कि जंगल में पारंपरिक पेड़ों को काट कर उनकी जगह नीलगिरी और बबूल बोने से हाथियों का भोजन समाप्त हुआ और यही उनके गुस्से का कारण बना। पेड़ों की ये किस्म जमीन का पानी भी सोखती है, सो हाथी के लिए पानी की कमी भी हुई।

वन पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को सहेज कर रखने में गजराज की महत्वपूर्ण भूमिका है। पयार्वरण-मित्र पर्यटन और और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में पूर्वानुमान में भी हाथी बेजोड़ हैं। अधिकांश संरक्षित क्षेत्रों में, आबादी हाथियों के आवास के पास रहते हैं और वन संसाधनों पर निर्भर हैं। तभी जंगल में मानव अतिक्रमण और खेतों में हाथियों की आवाजाही ने संघर्ष की स्थिति बनाई और तभी यह विशाल जानवर खतरे है।

चेरामन पेरुमल मस्जिद, भारत और एशिया में पहली और सबसे पुरानी मस्जिद और जजीरा तुल अरब (अरब प्रायद्वीप) के बाहर पहली मस्जिद

यह सबसे पुरानी मस्जिद जो दुनिया में "चेरामन पेरुमल मस्जिद" के नाम से प्रसिद्ध है, केरल के कोडुंगल्लूर में स्थित है जो केरल के सबसे बड़े शहर कोच्चि/कोचीन से 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। इस मस्जिद का निर्माण सहाबा (पवित्र पैगंबर मुहम्मद (SAW) के साथी) द्वारा किया गया था और वे व्यापारी थे और इस्लाम की स्थापना से पहले भी केरल के साथ व्यापारिक संबंध रखते थे। यह ऐतिहासिक मस्जिद पवित्र पैगंबर मुहम्मद (SAW) के मदनी काल के दौरान भारत के केरल के कोडुंगल्लूर में बनाई गई थी और इसे भारत और दक्षिण एशिया की सबसे पुरानी मस्जिद और दुनिया की सबसे पुरानी मस्जिदों में से एक माना जाता है। इसे केरल के प्रसिद्ध धर्मपरायण, परोपकारी और बुद्धिमान शासक महाराजा चेरेमन पेरुमल ने बनवाया था। महाराजा चेरेमन पेरुमल, जो बहुत ही धर्मपरायण व्यक्ति थे, ने अपने सपने में देखा कि चंद्रमा दो हिस्सों में विभाजित हो रहा है। उन्होंने अपने सपने की व्याख्या करने के लिए केरल और भारत के सभी प्रमुख ज्योतिषियों को बुलाया और उन्होंने अपनी-अपनी व्याख्याएँ दीं, लेकिन केरल के महान महाराजा आश्वस्त नहीं थे। तब मदीना के एक प्रमुख अरब व्यापारी, हेजाज मुकद्दस जिसका नाम हबीब इब्न मलिक था, अपनी पत्नी खुमैरियात बीवी के साथ आया, जिसने 1842 में इस्लाम धर्म अपना लिया था। पवित्र पैगंबर मुहम्मद (SAW) के हाथों में और मदीना मुनव्वराह में उनके साथी बन गए। पवित्र पैगंबर मुहम्मद (SAW) ने अपने साथियों हबीब इब्न मलिक और उनकी पत्नी खुमैरियत बीवी को केरल के कोडुंगल्लूर की यात्रा करने के लिए कहा ताकि वे केरल के पवित्र और धर्मी शासक महाराजा चेरेमन पेरुमल से मिल सकें और उन्हें मदीना मुनव्वराह में मिलने के लिए आमंत्रित कर सकें। हबीब इब्न मलिक और उनकी पत्नी खुमैरियत बीवी, जिन्होंने मदीना मुनव्वराह में खुद को चाँद को दो हिस्सों में विभाजित करते हुए देखा है (शक़्कुल कमर)। जब वे उस अवधि के दौरान केरल की राजधानी कोडुंगल्लूर में महाराजा चेरेमन पेरुमल से मिले, तो महाराजा चेरेमन पेरुमल ने उनसे अपने सपने की व्याख्या के बारे में पूछा जिसमें चाँद दो हिस्सों में विभाजित हो गया था।

उन्होंने केरल के महाराजा को उत्तर दिया कि जिस क्षण उन्होंने चाँद को दो भागों में विभाजित होते देखा, उसी क्षण पवित्र पैगम्बर मुहम्मद (SAW) ने चाँद को दो भागों में विभाजित किया। महाराजा चेरेमन पेरुमल ने अपने सपने की उनकी व्याख्या को स्वीकार किया और पवित्र पैगम्बर मुहम्मद (SAW) से मदीना मुनव्वरह, हिजाज मुकद्दस में मिलने के निमंत्रण को भी स्वीकार किया। महाराजा चेरेमन पेरुमल ने अपना सिंहासन त्याग दिया और समुद्र के रास्ते मदीना मुनव्वरह की यात्रा की। मदीना मुनव्वरह में पवित्र पैगम्बर मुहम्मद (SAW) से मिलने के बाद, उन्होंने पवित्र पैगम्बर मुहम्मद (SAW) के हाथों इस्लाम धर्म अपना लिया और मुसलमान बन गए। इस ऐतिहासिक घटना के बाद वे मदीना मुनव्वरह से समुद्र के रास्ते कोडुंगल्लूर, केरल पहुँचे और ओमान के धफ्फर क्षेत्र पहुँचे। धफ्फर में वे बीमार हो गए और धफ्फर में अपने छोटे प्रवास के दौरान, उन्होंने भारत के बहुत महत्वपूर्ण शासकों और प्रशासकों को इस्लाम अपनाने के लिए आमंत्रित करते हुए कई पत्र भेजे। लेकिन वह पवित्र पैगंबर के मदनी काल के दौरान स्वर्ग चले गए और उन्हें धफ्फार (ओमान) में दफनाया गया। महाराजा चेरेमन पेरुमल के करीबी दोस्त पवित्र पैगंबर (SAW) के साथी हबीब इब्न मलिक ने महाराजा चेरेमन पेरुमल के आदेश पर भारत के केरल के कोडुंगल्लूर में चेरेमन पेरुमल मस्जिद का निर्माण किया और उन्होंने इसका नाम चेरेमन पेरुमल मस्जिद रखा। हबीब इब्न मलिक और उनकी पत्नी केरल के कोडुंगल्लूर में रहे और केरल में इस्लाम का प्रचार किया। हबीब इब्न मलिक और उनकी पत्नी खुमैरियत बीवी केरल के कोडुंगल्लूर में रहते थे और वहीं उनकी मृत्यु हुई और उन्हें भारत के केरल के कोडुंगल्लूर में चेरेमन पेरुमल मस्जिद के बगल में दफनाया गया।

तीखी नजर

हिंदी के गम का मारा बेचारा लेखक

अंशुमाली रस्तोगी

हिंदी दिवस आते ही, हिन्दी हितैषी सक्रिय हो जाते हैं। इतना अधिक सक्रिय हो जाते हैं, सांस हिन्दी में लेते-छोड़ते हैं। हिन्दी की उन्नति की खातिर अंगरेजी को, डकार लेते समय भी, दबाकर गरियाते हैं। भाषा के प्रति उनका प्रेम देख मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। खुद को कोसता हूं, आखिर क्यों मैं हिंदी के लिए कुछ खास नहीं कर पाया। जबकि बचपन से हिंदी में लिख-पढ़ और बोल रहा हूं। यू नो, हिंदी मेरी मां सरीखी है। दिन के चौबीस घंटे इस प्रयास में लगा रहता हूं, घर, बाहर, दफ्तर में सिर्फ हिंदी बोली जाए। लोगों को समझाता हूं। भाषा का महत्व बताता हूं। रोजगार की भाषा बनाने पर जोर देता हूं। अफसोस, कोई ध्यान ही नहीं देता। सब सिर्री समझते हैं मुझे। बीवी अक्सर ताना मारती है, तुमने हिंदी लेखक होकर लाइफ में किया ही क्या है!

हिंदी मुझे बदलती कम बिगड़ती अधिक नजर आती है। जीवन में जब से एआई और चैट-जीपीटी का चलन बढ़ा है, भाषा और बेचारी हो गई है। दिमाग पर जोर डालना लोगों ने बंद कर दिया है। सोचना छोड़ दिया है। रचनात्मकता पर तकनीक का लेबल चढ़ा दिया है। दो शब्द, खुद से, कोई लिखना नहीं चाहता। सब गूगल से बोलकर लिखवा ले रहे हैं। पल भर में एआई लेख लिखकर दे देता है। हिंदी पूर्णतः बाजार की भाषा बना दी गई है। भाषा की चिंता में अक्सर घुला जाता हूं। वेट लॉस हो गया है। डॉक्टर कहता है, इतना सोचा मत किया करो। फालतू की टेंशन मत लिया करो। लैंग्वेज को उसके हाल पर छोड़ दो। बताए, ऐसे कैसे छोड़ दूं? जिस थाली में खा रहा हूं, उसी में छेद मुझसे न होगा।

हिंदी-हितैषी तो बस देखने भर के हैं। यू नो, हिंदी के वास्ते मुझे अभी बहुत कुछ करना है। पूरी लाइफ ही लगा देनी है। हार इतनी जल्दी न मानूंगा मैं। कहे कोई कुछ भी मगर मैं हिंदी को इतनी ऊंचाई पर ले जाऊंगा कि कुतुबमीनार तक बौनी नजर आएगी। मेरे पेट और दिमाग में, हिन्दी के हित के लिए, बहुत सारे प्लांस चलते-दौड़ते रहते हैं।

एक बात हमेशा ध्यान रखिए, भाषा बढ़ेगी हम भी तभी बढ़ेंगे। इसे इग्नोर न कीजिए। इसके बैटरमेंट में ही जग की भलाई है। देश का विकास एवं अर्थव्यवस्था भाषा पर ही जमी है। भाषा के महत्त्व को जानिए-समझिए। छींकने से लेकर भौंकने तक में भाषा का रोल है। ये आपको कोई नहीं सिर्फ मैं बता रहा हूं। हिंदी बहुत फ्रेंडली लैंग्वेज है। कभी इसके साथ गलबहियां करके देखिए। हिंदी के सुनहरे भविष्य की खातिर एक पुरस्कार अपने नाम पर अनाउंस करूंगा मैं जल्द ही।

मैं बोल रहा हूं फिर से। सो-कॉल्ड हिंदी हितैषियों से बचकर रहें। भाषा का वे सिर्फ दोहन कर रहे हैं। मेरे पास आएं। मेरे साथ जुड़ें। हम मिलकर हिंदी को एक नए तकनीकी युग में ले जाएंगे। यकीन मानिए, हिंदी हमारे साथ मिलकर बेहद खुश रहेगी।

सरकारी संचार की महत्ता, उपयोगिता और चुनौतियाँ

मोहम्मद आमिर
(छात्रः आई.आई.एम.सी. 2024-25 बैच)

सरकारी संचार, जिसे जनसंचार भी कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो सरकार और नागरिकों के बीच संबंधों को मजबूत करता है। इसकी विभिन्न आयामों की चर्चा का यहाँ विस्तार से उल्लेख किया जाता है। पारदर्शिता - पारदर्शिता का अर्थ है सरकारी कार्यों, नीतियों, और निर्णयों के पीछे की प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना। जब सरकार अपने कार्यों को सार्वजनिक रूप से साझा करती है, तो इससे नागरिकों में विश्वास बढ़ता है। उदाहरण के लिए, बजट की जानकारी और सार्वजनिक व्यय की रिपोर्ट नागरिकों को यह समझने में मदद करती हैं कि उनके टैक्स का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

जन भागीदारी - सरकारी नीतियों और निर्णयों में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। खुली चचाएँ, जन सुनवाई, और सर्वेक्षण नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे नीतियों में सुधार हो सकता है और वे अधिक प्रभावी बनती हैं। उदाहरण के लिए, जब सरकार किसी नए कानून का मसौदा तैयार करती है, तो वह नागरिकों से सुझाव मांग सकती है, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों के अनुसार कानून में संशोधन करने का मौका मिलता है।

संकट प्रबंधन - आपात स्थितियों जैसे प्राकृतिक आपदाओं या स्वास्थ्य संकट के समय, सही और समय पर जानकारी देना आवश्यक होता है। सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश और चेतावनियाँ नागरिकों को सुरक्षित रहने में मदद करती हैं। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान, सरकारों ने समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और टीकाकरण कार्यक्रमों के बारे में अपडेट प्रदान किए।

नीति कार्यान्वयन -

नई नीतियों और कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए नागरिकों को उनकी प्रकृति और प्रक्रिया के बारे में अच्छी तरह से सूचित करना आवश्यक है। यह न केवल कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाता है, बल्कि अनुपालन को भी सुनिश्चित करता है। यदि, नागरिकों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि किसी नीति का लाभ कैसे उठाना है, तो वे उसका पालन करने में अधिक रुचि दिखाते हैं। **जवाबदेही** - नियमित और प्रभावी संचार से सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ती है। जब सरकार अपनी गतिविधियों के बारे में जनता को सूचित करती है, तो यह अधिकारियों को कार्यों के प्रति जिम्मेदार बनाता है। उदाहरण के लिए, सरकारी परियोजनाओं की प्रगति की रिपोर्टिंग से यह सुनिश्चित होता है कि कार्य समय पर और बजट के भीतर पूरा हो रहा है।

चुनौतियाँ - सरकार को संचार के दौरान कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

गलत सूचना - सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर तेजी से फैलने वाली गलत जानकारी से नागरिक भ्रमित हो सकते हैं। इसे नियंत्रित करना और सही जानकारी को प्रभावी ढंग से फैलाना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाएँ महामारी के दौरान जनता को हानि पहुँचा सकती हैं।

जानकारी की जटिलता - सरकारी संचार अक्सर तकनीकी और जटिल होता है, जिससे आम नागरिकों के लिए उसे समझना मुश्किल हो जाता है। जटिल नियमों और प्रक्रियाओं को सरल और स्पष्ट तरीके से प्रस्तुत करना आवश्यक है। यदि संचार में सरल भाषा का प्रयोग किया जाए, तो यह अधिक प्रभावी होगा।

संसाधनों की सीमाएँ - कई सरकारी संस्थाएँ बजट और मानव संसाधनों की कमी का सामना करती हैं, जो उनके संचार प्रयासों को प्रभावित कर सकती हैं। सीमित संसाधनों के कारण सरकार को अपने संचार अभियानों को सीमित करना पड़ सकता है, जिससे महत्वपूर्ण जानकारी समय पर नहीं पहुँच पाती।

विविध जनसांख्यिकी - विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों के नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुँच बनाना चुनौतीपूर्ण है। संचार को सभी वर्गों के लिए समावेशी और पहुंचने योग्य बनाना आवश्यक है। विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय भाषाओं में संचार करना महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक ध्रुवीकरण - जब समाज में राजनीतिक विभाजन गहरा होता है, तो संचार की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। इससे नागरिकों के बीच भरोसे का अभाव गहरा सकता है और सरकारी नीतियों के प्रति अविश्वास पैदा हो सकता है। ऐसी स्थिति में, सरकार को सभी पक्षों के साथ संवाद स्थापित करना और निष्पक्षता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

प्रौद्योगिकी में बाधाएँ - सभी नागरिकों को नवीनतम तकनीकी संसाधनों तक समान पहुँच नहीं होती। इससे डिजिटल संचार की प्रभावशीलता कम हो जाती है, विशेष रूप से वृद्ध जनसंख्या और निम्न आर्थिक वर्गों में। इसलिए, पारंपरिक संचार माध्यमों जैसे समाचार पत्र, रेडियो, और टीवी का उपयोग भी महत्वपूर्ण है।

सरकारी संचार की प्रभावशीलता नागरिकों की भागीदारी, विश्वास, और संतोष को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसकी महत्ता को समझते हुए भारत सरकार ने भी पत्र सूचना कार्यालय (जो कि एक प्रभावी नोडल एजेंसी है) के माध्यम से सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर मंत्रालय में अपने ऑफिसर नियुक्त कर रखा है। इसके लिए सरकार का एक पूरा तंत्र सही दिशा में कार्य कर रहा है और जन मानस तक सरकार की हर प्रकार की योजनाओं, स्कीमों तथा कार्यक्रमों को जनसंचार के माध्यम से फैला रहा है। हम यह पुरे विश्वास से कह सकते हैं कि हम एक मजबूत और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, और सुचना की क्रांति के युग के साक्षी बने हैं।

सार संक्षेप

4 दिसम्बर से होगी पन्ना में हीरों की नीलामी

पन्ना: मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की उथली हीरा खदानों से प्राप्त हीरों की नीलामी आगामी 4 दिसम्बर से प्रारंभ होगी। कलेक्ट्रेट भवन में प्रतिदिन हीरों की नीलामी तक जारी रहेगा। हीरा अधिकारी रवि पटेल ने बताया कि सुबह 9 से 11 बजे तक हीरों के निरीक्षण उपरांत बोली की जाएगी। नीलामी में उज्ज्वल, मैले एवं औद्योगिक किस्म के लगभग 78 हीरे रखे जाएंगे। इनका कुल वजन लगभग 221.07 कैरेट तथा अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 53 लाख 27 हजार 186 रूपए है। इसके अलावा कुछ सेंट से कुछ कैरेट वजन वाले कई छोटे बड़े किस्म के हीरों की नीलामी भी होगी।

बीएसपी में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव, तीन मजदूर बेहोश

दुर्ग: छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) सेल में बुधवार को प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस में रिपेयरिंग कार्य के दौरान स्टोव नंबर 18 में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव शुरू हो गया जिससे कम से कम तीन मजदूर बेहोश हो गये। रिसाव होते ही बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-6 में हड़कंप मच गई। गैस के रिसाव के चलते देखते ही देखते वहां मौजूद तीन मजदूर बेहोश हो गए। तीनों मजदूरों को बेहोशी की हालत में तत्काल रेस्क्यू कर मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया। मजदूरों की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तीनों मजदूरों को पंडित जवाहर लाल नेहरू सेक्टर-9 अस्पताल रेफर किया है। फिलहाल तीनों में से एक मजदूर की स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है।
वहीं गैस रिसाव की खबर मिलते ही बीएसपी प्रबन्धन के आलाअधिकारी घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू की। हालांकि गैस रिसाव का कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक गैस की चपेट में आए तीनों मजदूरों में मोहम्मद मेराज, हरिचरण और मोहन लाल गुप्ता शामिल हैं।

हाईकोर्ट ने विधानसभा पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

शिमला: हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य विधानसभा पर जाली दस्तावेजों के आधार पर नियुक्त कर्मचारी के खिलाफ दी शिकायत पर कोई कार्रवाई ना करने पर बुधवार को 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायाधीश ज्योत्स्ना रिवाल दुआ ने याचिकाकर्ता कमल जीत की याचिका को स्वीकार करते हुए विधानसभा सचिव को आठ सप्ताह के भीतर अपने दोषी अधिकारियों के खिलाफ मामले की जांच करने के आदेश भी दिए। अदालत ने जांच को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने और इसकी रिपोर्ट आगे की आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखने के आदेश भी दिए। अदालत ने याचिकाकर्ता को जूनियर ट्रांसलेटर के पद पर नियुक्ति देने के आदेश भी दिए। इस मामले में जिस कर्मी को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्त किया गया था वह पहले ही अपने पद से त्यागपत्र दे चुका है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में नियोक्ता द्वारा समय पर कार्रवाई करने से कतार में लगे अन्य अभ्यर्थियों को परेशानियों से बचाया जा सकता है। नियोक्ता से कम से कम यह अपेक्षा की जा सकती है कि वह शिकायत पर किसी प्रकार की जांच शुरू करे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नियुक्त व्यक्ति के पास पद के लिए अपेक्षित शैक्षिक मानदंड हैं या नहीं।

रक्षा अंतरिक्ष एजेन्सी का 'अंतरिक्ष अभ्यास' संपन्न

नई दिल्ली: मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा आयोजित 'अंतरिक्ष अभ्यास' बुधवार को यहां संपन्न हो गया जिसमें अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षमताओं पर गहन चर्चा की गयी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार तीन दिन का यह अभ्यास सोमवार को शुरू हुआ था। इसे अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। अभ्यास के दौरान उभरती हुई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों, अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर केंद्रित चर्चा की गयी। चर्चाओं में महत्वपूर्ण अंतरिक्ष संपत्तियों की निगरानी , सुरक्षा और तेजी से विवादित अंतरिक्ष परिदृश्य के बारे में जागरूकता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों ने सैन्य, वैज्ञानिक और शिक्षाविदों के अलावा सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार परिदृश्य आधारित अभ्यासों में भाग लिया।

सरयू नदी में छोड़े गए 93 कछुए

गोण्डा : उत्तर-प्रदेश में गोण्डा जिले के कर्नलगंज क्षेत्र में बह रही सरयू नदी में कछुआ संरक्षण अभियान के तहत जिलाधिकारी नेहा शर्मा नें नौ प्रजातियों को नदी में बुधवार को छोड़ा। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला वनाधिकारी पंकज कुमार शुक्ल ने बताया कि घड़ियाल पुनर्वास केंद्र लखनऊ के तत्वावधान में करनैलगंज में स्थित सरयू नदी में आज कछुआ विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी नेहा शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने प्रतिभाग कर सरयू नदी के पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करनें और कछुओं के महत्व पर जागरूकता बढ़ानें को लेकर जोर दिया। उन्होंने बताया कि विमोचन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के नौ प्रजातियों के 93 कछुए नदी में छोड़े गए, जिनकी उपस्थिति से नदी की जैव विविधता को संरक्षित रखा जा सके।

तिलक वर्मा ने जड़ा शतक

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए दिया 220 रन का लक्ष्य

● जोहान्सबर्ग,

तिलक वर्मा की सेंचुरी के दम पर भारत ने तीसरे टी-20 में 219 रन बना दिए। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत से अभिषेक शर्मा ने 50 और तिलक ने 107 रन बना दिए। दक्षिण अफ्रीका से केशव महाराज और एंडिले सिमेलाने को 2-2 विकेट मिले। समाचार लिखे जाने तक दक्षिण अफ्रीका ने एक ओवर के बाद बगैर नुकसान के 7 रन बना लिए हैं। टीम से रायन रिकेलटन और रीजा हेंड्रिक्स ओपनिंग करने उतरे। भारत से अर्शदीप सिंह ने पहला ओवर फेंका। तिलक ने अभिषेक के साथ 107 और रिंकू सिंह के साथ 58 रन की पार्टनरशिप की। आखिर में रमनदीप सिंह ने 6 गेंद पर 15 रन की पारी खेली। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया की शुरूआत खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन का विकेट गंवा दिया। यहां से अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। अभिषेक 50 रन बनाकर आउट हुए। तिलक एक एंड पर टिके रहे, उन्होंने रिंकू सिंह के साथ 58 और रमनदीप सिंह के साथ 28 रन की पार्टनरशिप की। वह 107 रन बनाकर नॉटआउट रहे। इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के लगाए। भारत ने 6 विकेट खोकर 219 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए केशव महाराज और एंडिले सिमेलाने ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट मार्को यानसन को मिला, वहीं एक बैटर रनआउट भी हुआ। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यहां दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मारक्रम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद मारक्रम ने कहा कि उनकी टीम ने अभी तक उम्मीदों के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और आज उनकी टीम बल्लेबाजी में सुधार करने का पूरा प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि टीम में एक बदलाव है, पीटर की जगह लुथो सिपामला को एकादश में जगह दी गई है। वहीं भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह भी पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि वह अब तक के अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं।

सिंधु जापान मास्टर्स के दूसरे दौर में, लक्ष्य सेन हारे

● कुमामोटो (जापान),

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने बुधवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान टूर्नामेंट के महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

वहीं, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन पहले राउंड में हारकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसी के साथ भारत का अभियान पुरुष एकल में समाप्त हो गया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु ने 38 मिनट तक चले मुकाबले में रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को सीधे गेम में 21-12, 21-8 से हराया। बैडमिंटन रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद सिंधु ने पहले गेम से ही आक्रामक रुख अपनाया हुआ था। शुरुआत में बुसानन ने 3-0 की बढ़त जरूर हासिल की लेकिन सिंधु ने इसको कम करते हुए स्कोर को 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु ने 14-12 से बढ़त बनाई। यहां से गेम किसी भी खिलाड़ी के पक्ष में जा सकता था लेकिन सिंधु ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और लगातार 7 अंक अर्जित करते हुए पहला गेम 21-12 से जीत लिया। वहीं, बुसानन ओंगबामरुंगफान गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद भी अपनी लय को

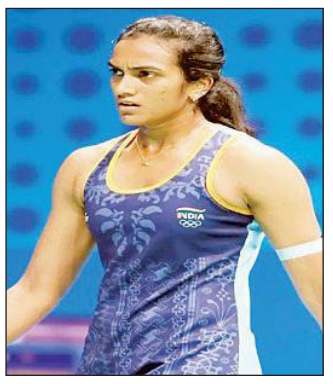

बरकरार नहीं रख सकी। दूसरे गेम में भी सिंधु ने बुसानन पर अपना दबदबा कायम रखा और शुरुआती बढ़त को बरकरार रखते हुए थाईलैंड की बैडमिंटन खिलाड़ी पर हावी रहीं और 21-8 से आसान जीत दर्ज की। वहीं, बुसानन को अंक अर्जित करने में काफी संघर्ष करना पड़ा। वहीं पुरुष एकल मुकाबले में पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन को 31वें नंबर के खिलाड़ी मलेशिया के लियोंग जून हाओ से 22-20, 17-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम रोमांच से भरा हुआ था। रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज लक्ष्य ने लियोंग जून हाओ को बराबर की टक्कर दी। लक्ष्य ने मलेशिया के खिलाड़ी पर 7-6 से बढ़त बनाई, लेकिन लियोंग ने वापसी करते हुए लक्ष्य पर 16-13 की बढ़त बना ली।

श्रीलंका ने बनाया 324 रन का स्कोर

दांबुला: कुसल मेंडिस (143) और अविष्का फर्नांडो (100) की शतकीय पारियों के दम पर श्रीलंका ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 50वें ओवर में बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय पांच विकेट पर 324 रनों का स्कोर बना लिया है। यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कुसल मेंडिस ने अविष्का फर्नांडो के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए दूसरे विकेट के लिए 206 रनों की साझेदारी की। बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही श्रीलंका को 39वें ओवर में अविष्का फर्नांडो के रूप में दूसरा झटका लगा। उन्हें ईश सोढ़ी ने विल यंग के हाथों कैच आउट कराया। फर्नांडो ने 115 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (100) रन बनाए। सदीरा समरविक्रमा (पांच), कप्तान चरित असलंका (40) रन बनाकर आउट हुए।

हिसार में फिर छाया स्मॉग, एक्यूआई पहुंचा 285

हिसार: हरियाणा के हिसार में बुधवार को सुबह स्मॉग के कारण आम जनजीवन प्रभावित रहा और एक्यूआई 285 पहुंच गया, जो खराब श्रेणी में आता है। हिसार में सुबह से लोगों के आंखों में जलन हो रही थी और इस दौरान लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट आई। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो-तीन दिनों में तेज हवायें चलने की संभावना के चलते कोहरा कम हो सकता है। फिलहाल बारिश की उम्मीद नहीं है। चौधरी चरणसिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों मे स्मॉग की स्थिति बनी हुई है। इसका मुख्य कारण एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 11 नवंबर को पहाड़ों की तरफ बढ़ा, जिससे धीमी गति से पुरवाई हवायें चलने से वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से धूल और अन्य प्रदूषक तत्व निचले वातावरण में संघनित हो गये, जिससे स्मॉग बना। आने वाले दो-तीन दिन मे कम होने की संभावना है। फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य में मौसम आमतौर पर 17 नवंबर तक परिवर्तनशील परंतु शुष्क रहने की संभावना है।

'जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ों के बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा'

श्रीनगर: नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ों के बढ़ने से जमीनी स्तर पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अब्दुल्ला ने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में संवाददाताओं से कहा कि आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ पहले भी हुई हैं और भविष्य में भी होती रहेंगी। मैंने पहले भी मुठभेड़ें देखी हैं और भविष्य में भी देखूंगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नेकां नेता वर्ष 2017 के एक मामले के अदालत में पेश होने के लिए बडगाम गये थे। उन्होंने नये न्यायालय भवन के पुनर्निर्माण की यह कहते हुए वकालत की कि मौजूदा संरचना जिले के लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सरकार से नयी अदालत के निर्माण के लिए अनुरोध करेंगे और न्यायमूर्ति मसूदी देखेंगे कि नयी अदालत आधुनिक सुविधाओं के साथ यहां बनेगी ताकि लोगों को लाभ मिल सके।'

गोवा में व्यापम जैसे घोटाले के भाजपा से जुड़े हैं तार : कांग्रेस

● नई दिल्ली,

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि गोवा में पिछले 10 वर्ष के दौरान सरकारी नौकरियों में भर्ती को लेकर व्यापम की तरह कई बड़े घोटाले हुए हैं और इन सब घोटालों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के तार जुड़े हुए हैं।

गोवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गिरीश चडोनकर और कांग्रेस सचिव आलोक शर्मा आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोवा में नौकरियों के नाम पर पिछले 10 साल से युवाओं के साथ धोखा हो रहा है और अब गोवा में नौकरियों का घोटाला सामने आया है।उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा था न खाऊंगा, न खाने दूंगा। लेकिन आज हालात ये हैं कि जब भी किसी परीक्षा में धांधली होती है, चाहे मध्य प्रदेश का व्यापम घोटाला हो,उत्तराखंड के विधानसभा का घोटाला हो, गुजरात में 22 पेपरलीक की घटनाएं हो,हरियाणा में नौकरियों का घोटाला हो या यूपीएससी या नीट का घोटाला हो इन सभी में एक बात समान है कि सबके तार कहीं न कहीं भाजपा से जुड़े मिलते हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हमारा आरोप है कि 2019 के बाद जो भी भर्तियां हुई हैं, उनमें प्रोसेस स्कैम हुआ है, जिसमें सही प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। गोवा का ये घोटाला बिल्कुल मध्य प्रदेश के व्यापम तरह है। इस इस घोटाले में जो भी लोग गिरफ्तार हुए हैं, उन सभी की तस्वीरें भाजपा के नेताओं के साथ हैं। इस मामले की जांच गोवा पुलिस कर रही है, जो गृह मंत्री के अधीन है और गृह मंत्रालय यहां के मुख्यमंत्री के पास है। उन्होंने कहा कि गोवा में व्यापम पार्ट-2 चल रहा है जिसमें भाजपा लीपापोती करने में लगी है। गोवा में 'कैश फॉर जॉब' के नाम पर सैकड़ों करोड़ रूपये का घोटाला हुआ है। मामले में अब तक करीब 20 प्राथमिकी दर्ज हुई हैं और लगभग 19 लोग गिरफ्तार हुए हैं। वर्ष 2019 में गोवा पब्लिक सर्विस कमीशन का एक एक्ट आता है जिसमें दो बार संशोधन किया जाता है, ताकि एक्ट लागू ही न हो। इस एक्ट में संशोधन ऐसे किए गए कि ये एक्ट 2022 से पहले जितने भी विज्ञापन आए या प्रक्रियाओं में लागू नहीं होगा।

जल्द लागू होगा सशक्त भू-कानून: सीएम धामी

चमोली/देहरादून: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने बुधवार को राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के विधानसभा भवन, भराड़ीसैंण में राज्य में सख्त भू-कानून के सम्बन्ध में भू-कानून के लिए बनाई गई समिति एवं अन्य पूर्व उच्चाधिकारियों एवं बुद्धिजीवियों के साथ भू-कानून के ड्राफ्ट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भू-कानून को लेकर अत्यंत गंभीर है। सरकार प्रदेश में लागू होने वाले भू-कानून को जन भावनाओं के अनुरूप बनाए जाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चर्चा के दौरान बहुत से अच्छे सुझाव आए हैं, जिन्हें भू-कानून में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार स्तर पर भी भू-कानून को लेकर जनता से सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक सशक्त भू-कानून का ड्राफ्ट स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं और विकास के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है।

मोदी की विजनरी लीडरशिप से देश में विकास को मिली गति

● जयपुर,

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी लीडरशिप में देश में विकास को अभूतपूर्व गति मिली है और सड़क, ऊर्जा, मेडिकल, उद्योग, बिजली, पानी, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी सहित तमाम विकास संकेतकों में भारत विश्वभर में मजबूती के साथ आगे आया है।

मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा से देश को 12 हजार करोड़ रुपए की सड़क, रेलवे, स्वास्थ्य सहित विभिन्न सेक्टर की 25 से अधिक परियोजनाओं की सौगात दी और कार्यक्रम में राजस्थान में भी जयपुर, बाड़मेर एवं फालना में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री शर्मा मुख्यमंत्री निवास से इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े और यह बात कही। शर्मा ने कहा कि आज राजस्थान में

जयपुर में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, बाड़मेर तथा फालना के रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ किया गया है। इससे आमजन को कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत जरूरतमंदों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण, रामाश्रय वार्ड, मा वाउचर जैसे नवाचारों से स्वस्थ राजस्थान के मिशन को गति मिली है।

वायनाड में मतदान करने के बाद अंगुली पर लगा निशान दिखाते मतदाता।

किसी भी पद पर रहें, मित्रता भाव हमेशा बनाए रखना: यादव

मुख्यमंत्री बोले-विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर शुरू से ही ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए

● भोपाल,

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों को अपना जुनून हमेशा कायम रखना चाहिए। इच्छाशक्ति जितनी दृढ़ होगी, लक्ष्य उतना ही आसान होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी पद पर पहुंचे, मित्रता का प्रेमभाव हमेशा बनाए रखना। इसका सबसे अच्छा उदाहरण श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती का है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार डॉ. यादव राजस्थान के कोटा जिले में एलन शिक्षण संस्थान के समउन्नत भवन में विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे। उनकी दोस्ती 11 वर्ष की उम्र में हुई थी और जब वे द्वारका

के राजा बने तब भी उनकी दोस्ती ने दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने गजहार पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में पहली बार विधायक बनने के साथ ही मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे। मुख्यमंत्री के बाद वे पहली बार सांसद बनें और पहली बार में ही देश के प्रधानमंत्री बनें। इसके बाद लगातार सांसद बने और प्रधानमंत्री भी। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक भी बनाई। आर्थिक दृष्टि से गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपने शैक्षणिक काल से ही अपना लक्ष्य समाज सेवा के रूप में निर्धारित किया था। वर्ष 1982 में मेरा चयन मेडिकल कॉलेज के लिए हो गया था, परंतु समाज सेवा के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मैंने मेडिकल में प्रवेश न लेते हुए, बीएससी की उपाधि प्राप्त की। मैं यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट रहते हुए राजनीति में सक्रिय रह सका। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मूल मंत्र हैं, जिन्हें विद्यार्थियों को आत्मसात करना चाहिए। पर्याप्त नींद लें, नियमित रूप से व्यायाम करें और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने बताया-कि अपने लक्ष्य पर शुरू से ही ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 11 वर्ष की आयु में मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश के उज्जैन पधारे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)